website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 270 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार 07 सितम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

अब 'वन नेशन वन डेटा पोर्टल' बना रही सरकार

● बदलेगा कॉलेजों की रैंकिंग का फॉर्मूला, बस नाम से नहीं चलेगा काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क के तहत दी जाने वाली 'इंडिया रैंकिंग्स' को अब दस वर्ष पूरे हो गए हैं। 10 वर्षों में टॉप रैंकिंग में देश की आईआईटी व बड़े संस्थानों का ही कब्जा रहा है। अब आने वाले समय में नई रैंकिंग अप्रोच को अपनाया जाएगा और नए कल्चर के साथ इंडिया रैंकिंग होगी। केवल धारणा के आधार पर ही रैंकिंग नहीं होगी, बल्कि ज्यादा से ज्यादा डेटा का विश्लेषण किया जाएगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि डेटा संचालित अप्रोच को फॉलो करना होगा और हर संस्थान के डेटा का बारीकी से विश्लेषण करना होगा। साथ ही नए अप्रोच में स्टार्टअप्स, एंटरप्रेन्योरशिप, इंडस्ट्री के साथ जुड़ाव समेत कई नए पहलुओं को शामिल

किया जाएगा। रैंकिंग फ्रेमवर्क में कई बदलाव होंगे और अब आईआईटी पर भी दबाव बढ़ेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा है कि एनआईआरएफ की ग्लोबल लेवल पर ब्रांड वैल्यू हो। आईआईटी को यह देखना होगा कि इंडस्ट्री के साथ मिलकर विकसित भारत के सपने को साकार किया जाए। अब पुराने ढर्रे पर रैंकिंग नहीं होगी, बल्कि इनोवेशन को अपनाने वाले संस्थानों को आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि वन नेशन वन डेटा पोर्टल को तैयार किया जा रहा है। एनआईआरएफ को डेटा विश्लेषण पर और ज्यादा ध्यान देना चाहिए। देश में करीब 50 हजार उच्च शिक्षा संस्थान हैं और कम से कम एक तिहाई संस्थानों को रैंकिंग फ्रेमवर्क से जोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि नैक एक्रीडिटेशन समेत रैंकिंग सिस्टम में भी और बदलाव लाने होंगे। स्टार्टअप्स और एंटरप्रेन्योरशिप को भी महत्व देना होगा। देश लंबी छलांग की कगार पर है। एनआईआरएफ को समीक्षा करनी होगी। भारत की शिक्षा व मैथमैटिकल कैपिसिटी मजबूत है। नया मॉडल तैयार होगा।

मुंबई में अनंत चतुर्दशी से पहले ब्लास्ट की धमकी

● हाई अलर्ट पर शहर, पुलिस को मिले मैसेज में है दावा

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई पुलिस को गुरुवार देर रात वॉट्सएप पर धमकी भरा मैसेज मिला, जिसमें दावा किया गया है कि लश्कर-ए-जिहादी के 14 आतंकी शहर में आ चुके हैं। आतंकी 400 किलो आरडीएक्स 34 गाड़ियों में लगाकर बड़ा ब्लास्ट करने वाले हैं। धमकी मिलते ही मुंबई पुलिस ने शहर भर में हाई अलर्ट घोषित कर दिया। क्राइम ब्रांच ने जांच शुरू कर दी है। एटीएस व अन्य सुरक्षा एजेंसियों को भी सतर्क कर दिया गया है।

117 साल बाद 'दरिया-ए-नूर' तिजोरी खोलेगा बांग्लादेश

कोहिनूर की बहन के नाम से मशहूर, भारत के गोलकुंडा खदान से निकला था

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने ढाका के एक स्टेट बैंक की लंबे समय से बंद पड़ी तिजोरी को खोलने का आदेश दिया है। इस तिजोरी को 117 साल पहले (1908 में) सील की गई थी। इस तिजोरी में दुनिया की सबसे कीमती रत्नों में से एक 'दरिया-ए-नूर' हीरा बंद होने की उम्मीद है। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि यह हीरा वहां है भी या नहीं, क्योंकि दशकों से इसे देखा नहीं गया है। दरिया-ए-नूर को 'कोहिनूर की बहन' कहा जाता है। कोहिनूर अभी ब्रिटेन में

मौजूद है। दोनों हीरे भारत से ले जाए गए थे। वर्तमान में दरिया-ए-नूर की कीमत लगभग 13 मिलियन डॉलर (लगभग 114.5 करोड़ रुपए) आंकी गई है। दरिया-ए-नूर, जिसका मतलब है 'खूबसूरती की नदी'। यह एक 26 कैरेट का हीरा है, जो अपने आयताकार, सपाट सतह (टेबल-कट) के लिए जाना जाता है। बांग्लादेश के अखबार द बिजनेस स्टैंडर्ड के अनुसार, यह हीरा दक्षिण भारत के खदानों से निकला था, जहां से विश्व प्रसिद्ध कोहिनूर हीरा भी मिला था। यह हीरा एक सुनहरे कंगन (आर्मलेट) के केंद्र में जड़ा हुआ है, जिसके चारों ओर दस छोटे-छोटे हीरे हैं।

भारत और रूस को हमने चीन के हाथों खो दिया

मोदी, पुतिन और जिनपिंग की तस्वीर शेयर कर ट्रंप का बड़ा बयान

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनके रूस और भारत से रिश्ते खत्म होते नजर आ रहे हैं। ट्रंप ने अपनी एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि अमेरिका ने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है। पोस्ट के साथ ट्रंप ने चीन में हुए शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन की तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी

जिनपिंग के साथ नजर आ रहे हैं। ऐसा करते हुए ट्रंप ने भारत और रूस के साथ संबंध खत्म करने के संकेत दिए हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को ट्रूथ सोशल पर लिखा, लगता है हमने भारत और रूस को सबसे अंधकारमय चीन के हाथों खो दिया है। ईश्वर करे कि उनका भविष्य लंबा और समृद्ध हो! ट्रंप ने एससीओ समिट की तस्वीर शेयर करते हुए संकेत दिया है कि रूस और भारत के चीन की तरफ जाने को वह अमेरिका के साथ रिश्ते खत्म करने की तरह देख रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से की गई इस पोस्ट पर कोई प्रतिक्रिया नहीं है।

दुश्मन परमाणु हथियारों से लैस

हमें तैयार रहना होगा

● सीडीएस बोले-देश के लिए विचारधारा जरूरी, जैसे शरीर में खून

● अनिल चौहान ने कहा- पड़ोसियों के साथ सीमा विवाद बड़ी चुनौती

गोरखपुर (एजेंसी)। गोरखपुर (यूपी) में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने कहा- भूमि राष्ट्र की भौतिक पहचान है। राष्ट्र की विचारधारा की सुरक्षा भी जरूरी है। एक राष्ट्र के संचालन के लिए विचारधारा उतनी ही जरूरी है, जितना शरीर के लिए खून। यह प्रशासनिक ढांचे को मजबूती देती है। जनरल चौहान ने कहा- दुश्मन परमाणु हथियारों से लैस है। सीमा विवाद सबसे बड़ी चुनौती है। आजादी के बाद से सीमा विवाद को लेकर कई लड़ाइयां हुईं। चीन के साथ सीमा विवाद सबसे बड़ी चुनौती है। फिर क्षेत्रीय अस्थिरता। शुक्रवार को जनरल चौहान गोरखनाथ मंदिर में आयोजित 'भारत के समक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियां' विषय पर आयोजित सेमिनार पहुंचे थे। वहां पर उन्होंने ये बातें कहीं।

● **नभ, जल, थल की तरह ही अब साइबर स्पेस में चुनौतियां**- इस समय रोबोटिक्स का ट्रेंड नजर आता है। इसका इस्तेमाल तेजी से हो रहा है। भविष्य में यह तकनीक उपयोग में आ सकती है। आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते। ऐसे ही आतंकवाद और व्यापार साथ-साथ नहीं चलेगा। ये नए नॉर्म है। इसे देखते हुए तीनों सेनाओं को नए तरीके अपनाने होंगे। ऑपरेशन सिंदूर ऑफिशियल रूप से टर्मिनेट नहीं किया गया है। हमें हथियारों की रीच बढ़ानी होगी। नभ, जल, थल की तरह ही अब साइबर स्पेस में चुनौतियां होंगी। स्पेस में सर्विलांस का ध्यान रखना होगा। यह करने के लिए अपनी क्षमताओं को बढ़ाना होगा। एयर डिफेंस में और ज्यादा मजबूत बनना पड़ेगा। सुदर्शन चक्र मिशन की चर्चा प्रधानमंत्री कर चुके हैं।

सीडीएस ने कहा-युद्ध राजनीति का ही विस्तार है

जर्मन विद्वान ने कहा था कि युद्ध राजनीति का ही विस्तार है। इसके गहरे निष्कर्ष हैं। युद्ध और अंतरराष्ट्रीय राजनीति को अलग-अलग नहीं देखा जा सकता। जब किसी भी देश की सरकार इस स्थिति में पहुंचती है कि सैन्य इस्तेमाल की जरूरत है तो सैन्य अधिकारी को आगे के लिए रणनीति बुलाया जाता है। बालाकोट ऑपरेशन के बाद भारत ने लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियार और पाकिस्तान ने एयर डिफेंस की जरूरत पर काम किया।

सीएम सिद्धारमैया ने राष्ट्रपति से पूछा-आपको कन्नड़ आती है

● मुर्मू बोलीं-हर भाषा-परंपरा से प्यार ● बीजेपी का सख्त सवाल-सोनिया से पूछने की हिम्मत है

मैसूरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मैसूर में 1 सितंबर को अखिल भारतीय वाणी एवं श्रवण संस्थान का गोल्डन जुबली समारोह था। मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू थीं। कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया भी मौजूद थे। वे पहले स्पीच देने गए। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति से सवाल पूछ लिया। उन्होंने कहा- क्या आपको कन्नड़ आती है, मैं कन्नड़ में बात करता हूं। सिद्धारमैया की स्पीच के बाद द्रौपदी मुर्मू भाषण देने आईं। उन्होंने सिद्धारमैया को जवाब देते कहा- मैं मुख्यमंत्री से कहना चाहूंगी कि कन्नड़ भले ही मेरी मातृभाषा नहीं हैं, लेकिन यह कर्नाटक की भाषा है। मुझे भारत की हर भाषा, संस्कृति और परंपरा से प्यार है। मैं उनका सम्मान करती हूं। राष्ट्रपति ने आगे कहा, सब अपनी भाषा को जीवित रखिए। अपनी संस्कृति और परंपरा को जिंदा रखिए। मैं इसके लिए शुभकामनाएं देती हूं। मैं कन्नड़ भाषा धीरे-धीरे सीखने का कोशिश करूंगी। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सामने आने के बाद बीजेपी ने इसे राष्ट्रपति का अपमान बताया।

एअर इंडिया विमान में तकनीकी खराबी इमरजेंसी लैंडिंग

इंदौर (एजेंसी)। दिल्ली से इंदौर आ रही एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट की शुक्रवार सुबह इंदौर एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। फ्लाइट में कुल 161 यात्री सवार थे। जानकारी के अनुसार, उड़ान संख्या आईएक्स-1104 के इंजन में खराबी के चलते सुबह 09.54 बजे आपातकालीन लैंडिंग कराई गई। इमरजेंसी लैंडिंग की खबर जब विमान में बैठे यात्रियों को लगी तो हड़कंप मच गया। एयरपोर्ट पर इंतजार कर रहे उनके परिजन भी घबरा गए। इंदौर एयरपोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार, एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट (आईएक्स-1104) सुबह 6.40 बजे दिल्ली से रवाना होकर 8.15 बजे इंदौर पहुंचती है लेकिन आज सुबह दिल्ली से 8.28 बजे रवाना हुई। फ्लाइट जब इंदौर पहुंच रही थी तभी इसके बाएं इंजन में तकनीकी खराबी आ गई।

दंतेवाड़ा-नारायणपुर बॉर्डर पर 5-6 नक्सली मारे जाने की खबर

● अबूझमाड़ के जंगलों में रुक-रुककर हो रही फायरिंग, नक्सलियों को घेरा

दंतेवाड़ा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा-नारायणपुर जिले की सीमा पर सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। एनकाउंटर में 5 से 6 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। पूर्वी बस्तर डिवीजन में अबूझमाड़ के घने जंगलों में रुक-रुककर फायरिंग चल रही है। जानकारी के मुताबिक, सुरक्षाबलों की ओर से दंतेवाड़ा और नारायणपुर की डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड टीम संयुक्त अभियान पर निकली थी। इसी दौरान नक्सलियों ने अटैक कर दिया। जवाबी कार्रवाई में जवानों ने नक्सलियों को मार गिराया। मुठभेड़ की पुष्टि दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय ने की है। इसके पहले 28 अगस्त को छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर सुरक्षाबलों ने एनकाउंटर में 4 नक्सलियों को मार गिराया था। मौके से बड़ी तादाद में हथियार बरामद किए गए थे। बॉर्डर इलाके में तलाशी चल रही है।

● **शाह की डेडलाइन, 2026 तक करेंगे नक्सलवाद का खात्मा**- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अगस्त 2024 और दिसंबर 2024 में छत्तीसगढ़ के रायपुर और जगदलपुर आए थे। वे यहां अलग-अलग कार्यक्रमों में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने अलग-अलग मंचों से नक्सलियों को चेताते हुए कहा था कि हथियार डाल दें। हिंसा करोगे तो हमारे जवान निपटेंगे। वहीं उन्होंने एक डेडलाइन भी जारी की थी कि 31 मार्च 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जाएगा। शाह के डेडलाइन जारी करने के बाद से बस्तर में नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन काफी तेज हो गए हैं।

शिल्पा और राज कुंद्रा के खिलाफ लुकआउट नोटिस

● बिजनेसमैन कोठारी ने केस किया, आरोप-कपल को 60 करोड़ दिए थे, रकम निजी खर्च मे लगाई

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई पुलिस ने 60 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया है। एक सीनियर पुलिस ऑफिसर ने बताया कि दोनों ही अक्सर विदेश यात्रा करते हैं, जिसकी वजह से ये कदम उठाया गया है। लुकआउट सर्कुलर का मकसद बिना किसी रुकावट जांच को पूरा करना है। बिजनेसमैन दीपक कोठारी ने 14 अगस्त को शिल्पा और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा में मामला दर्ज कराया था। दीपक का कहना है कि 2015 से 2023 के बीच उन्होंने बिजनेस बढ़ाने के लिए कपल को कुल 60.48 करोड़ रुपए दिए, लेकिन यह रकम निजी खर्चों में लगा दी गई। दीपक कोठारी के मुताबिक, उनकी मुलाकात साल 2015 में एजेंट राजेश आर्या के जरिए शिल्पा और कुंद्रा से हुई थी। उस समय दोनों बेस्ट डील टीवी के डायरेक्टर थे और शिल्पा के पास कंपनी के 87 फीसदी से ज्यादा शेयर थे। एक मीटिंग में तय हुआ कि शिल्पा और राज कुंद्रा की कंपनी को दीपक लोन देंगे। कंपनी के लिए 75 करोड़ रुपए का लोन मांगा था, जिस पर 12 फीसदी सालाना ब्याज तय हुआ। दीपक कोठारी का आरोप है कि बाद में शिल्पा और राज ने उनसे कहा कि लोन पर टैक्स की परेशानी आ सकती है, इसलिए इसे इन्वेस्टमेंट के रूप में दिखाते हैं और हर महीने रिटर्न देंगे। अप्रैल 2015 में कोठारी ने करीब 31.95 करोड़ रुपए की पहली पेमेंट की। टैक्स से जुड़ी परेशानी जारी रहने पर सितंबर में दूसरी डील हुई और जुलाई 2015 से मार्च 2016 के बीच उन्होंने 28.54 करोड़ रुपए और ट्रांसफर किए।

● रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

भारत में बढ़ रहे बुजुर्ग, कम हो रहे हैं बच्चे

केरल में सबसे ज्यादा बुजुर्ग, बच्चों की आबादी भी घटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की आबादी अब धीरे-धीरे उम्रदराज हो रही है। रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया की 2023 की सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम रिपोर्ट के मुताबिक देश में 0 से 14 साल के बच्चों की आबादी में लगातार गिरावट आ रही है, जबकि बुजुर्गों की संख्या बढ़ रही है। साथ ही, कामकाजी उम्र (15 से 59 साल) के लोगों की हिस्सेदारी भी बढ़ी है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि देश की कुल प्रजनन दर (फर्टिलिटी रेट) 1971 में 5.2 थी, जो 2023 में घटकर 1.9 रह गई है। 0 से 14 साल के बच्चों की आबादी 1971-81 के बीच 41.2 फीसदी से घटकर 38.1 फीसदी हो गई थी। इसके बाद 1991 से 2023 के बीच यह और घटकर 24.2 फीसदी रह गई। यानी पिछले 50 साल में बच्चों की हिस्सेदारी में करीब 17 फीसदी की गिरावट आई है। बच्चों की संख्या घटना मतलब भविष्य में कार्यबल छोटा होगा। आर्थिक विकास की गति धीमी होना संभव बच्चे ज्यादा तो खर्च अधिक; भविष्य में पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पर दबाव बढ़ेगा। सिंगल चाइल्ड या नो चाइल्ड परिवार बढ़ सकते हैं। बुजुर्गों को संभालने वाले कम होंगे। प्रति बच्चे पर निवेश बढ़ सकता है, यानी बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य पर ध्यान संभव है।

● **कामकाजी उम्र के लोगों की संख्या बढ़ी**- 15 से 59 साल के लोगों की आबादी में लगातार इजाफा हो रहा है। 1971-81 के बीच यह 53.4 से बढ़कर 56.3 फीसदी हुई। 1991 से 2023 के बीच यह और बढ़कर 66.1 फीसदी हो गई। दिल्ली में इस उम्र वर्ग की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा 70.8 फीसदी है। वहीं, बिहार में यह सबसे कम 60.1 फीसदी है। शहरी इलाकों में कामकाजी उम्र के लोगों की हिस्सेदारी 68.8 फीसदी है, जबकि ग्रामीण इलाकों में 64.6 फीसदी है। जेके में ग्रामीण महिलाओं की हिस्सेदारी सर्वाधिक 70.1 फीसदी है।

● **इधर... शिशु मृत्यु दर 10 साल में 37.5 फीसदी कम हुई**- देश में शिशु मृत्यु दर 2023 में घटकर 25 रह गई है। यह 2013 में 40 थी। यानी 10 साल में इसमें 37.5 फीसदी की गिरावट आई है। यह जानकारी भारत के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा जारी सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एसआरएस) रिपोर्ट 2023 में दी गई है। शिशु मृत्यु दर किसी भी देश की स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति को दर्शाने वाला अहम पैमाना है। एक साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु की संख्या को दर्शाता है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

अवसाद और आत्महत्या: युवाओं और समाज के लिए बढ़ती चुनौती

अवसाद और आत्महत्या की घटनाएं आज दुनिया भर में एक गंभीर सामाजिक व स्वास्थ्य समस्या बन चुकी हैं। आधुनिक जीवन की आपाधापी, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, रिश्तों में दूरी और भविष्य की अनिश्चितता ने मानसिक स्वास्थ्य को गहरा आघात पहुँचाया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2021 में ही लगभग 7.27 लाख लोगों ने आत्महत्या जैसा कदम उठाया, जो वैश्विक मृत्यु दर का 1.1 प्रतिशत है। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि 15 से 29 वर्ष की आयु वर्ग के युवाओं में आत्महत्या मृत्यु का तीसरा सबसे बड़ा कारण बन चुका है। यह स्थिति हमें चेतावनी देती है कि मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा अब किसी भी समाज के लिए घातक हो सकती है। भारत में यह समस्या और भी गंभीर रूप लेती जा रही है। यहाँ युवाओं और महिलाओं में आत्महत्या की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। पारिवारिक कलह, आर्थिक असमानता, सामाजिक दबाव, बेरोज़गारी और असफलता का डर युवाओं को मानसिक रूप से कमजोर बना रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि संकट और शहरी क्षेत्रों में कैरियर और संबंधों का तनाव, दोनों ही हालात युवाओं के भीतर गहरी बेचैनी और अवसाद पैदा कर रहे हैं। महिलाओं के मामले में घरेलू हिंसा, दहेज, मानसिक प्रताड़ना और सामाजिक असुरक्षा जैसे कारण आत्महत्या की घटनाओं को बढ़ा रहे हैं। आज के समय में चिंता और अवसाद सामान्य जीवन का हिस्सा बन गए हैं, लेकिन जब इनका इलाज और समाधान समय पर नहीं होता तो यही स्थिति गंभीर अवसाद और अंततः आत्महत्या का कारण बनती है। भारत जैसे समाज में मानसिक स्वास्थ्य को अक्सर नज़रअंदाज़ किया जाता है। लोग इसे बीमारी न मानकर शर्मिंदगी का विषय समझते हैं। इसी वजह से ज़्यादातर लोग डॉक्टर या मनोचिकित्सक से मदद लेने में संकोच करते हैं। यह स्थिति और खतरनाक बनती है क्योंकि व्यक्ति अकेलापन महसूस करने लगता है और समस्याओं से निकलने का रास्ता आत्महत्या को मान बैठता है। आधुनिक समाज की एक और समस्या है – सोशल मीडिया और आभासी दुनिया का बढ़ता दबाव। युवाओं में लाइक्स और फॉलोअर्स की होड़ ने आत्मसम्मान और आत्मविश्वास को बुरी तरह प्रभावित किया है। जब अपेक्षाएँ पूरी नहीं होतीं तो अवसाद गहरा जाता है। शिक्षा व्यवस्था भी इस समस्या को और जटिल बना देती है। परीक्षा परिणाम, असफलता का भय और रोजगार न मिलने की आशंका युवाओं को मानसिक तनाव की ओर धकेलते हैं। जरूरत इस बात की है कि मानसिक स्वास्थ्य को शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्व दिया जाए। परिवार, समाज और सरकार को मिलकर ऐसे प्रयास करने होंगे जिससे लोग अवसाद के शुरुआती लक्षणों को पहचानें और समय रहते उपचार व सहयोग प्राप्त कर सकें। स्कूल और कॉलेजों में मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बातचीत होनी चाहिए ताकि युवा अपनी भावनाओं को दबाने के बजाय साझा कर सकें। इसके अलावा काउंसलिंग, हेल्पलाइन और समुदाय आधारित जागरूकता अभियान आत्महत्या रोकने में कारगर हो सकते हैं।

भारत-अमरीका संबंध : एससीओ बैठक का बड़ा फायदा चीन को

-टैरिफ, तेल व तंज: क्या गिरती रेटिंग से ट्रंप बैकफुट पर आएंगे?

भारत और अमेरिका के रिश्ते बीते तीन दशकों में लगातार उतार-चढ़ाव से गुज़रे हैं। कभी रणनीतिक साझेदारी की नई ऊँचाइयों को छुआ, तो कभी टैरिफ युद्ध और व्यापारिक मतभेदों ने तनाव पैदा कर दिया। मौजूदा दौर में, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों ने वैश्विक व्यापार को झकझोर कर रख दिया है, भारत भी इससे अछूता नहीं है। अमेरिकी टैरिफ ने भारतीय वस्त्र, रत्न-आभूषण, समुद्री उत्पाद और रसायन उद्योग को सीधा प्रभावित किया है। तिरुपुर, सूरत और नोएडा जैसे औद्योगिक केंद्रों में रोज़गार पर संकट मंडरा रहा है। दूसरी ओर भारत सरकार, यूरोप, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे नए बाजार तलाश रही है। घरेलू मांग को बढ़ाने के लिए जीएसटी दरों में बदलाव और उपकर में छूट जैसी कोशिशें हो रही हैं। लेकिन इसी बीच भारत ने भू-राजनीतिक संतुलन साधने के लिए शंघाई सहयोग संगठन (SCO) की बैठक में हिस्सा लिया, जहां रूस और चीन के साथ साझा मंच पर बैठना अमेरिकी दबाव के बीच भारत के लिए नई रणनीतिक संभावनाएँ खोलता है। भारत-अमरीका संबंधों की मौजूदा तस्वीर क्या है, ट्रंप टैरिफ से भारत को कितनी चोट लगी है, एससीओ बैठक से चीन को कैसे फायदा हुआ और भविष्य में भारत को किस राह पर आगे बढ़ना होगा।

भारत-अमरीका संबंधों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

भारत और अमेरिका के रिश्ते हमेशा आसान नहीं रहे। शीत युद्ध के दौर में भारत ने गुटनिरपेक्ष नीति अपनाई और सोवियत संघ के साथ निकटता दिखाई, जबकि अमेरिका पाकिस्तान को रणनीतिक सहयोगी मानता रहा। 1990 के दशक में सोवियत संघ के विघटन के बाद हालात बदले और अमेरिका ने भारत की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया। 1998 के परमाणु परीक्षणों के बाद अमेरिकी प्रतिबंध लगे, लेकिन कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच संबंध फिर पटरी पर आए। 2005 में सिविल न्यूक्लियर डील ने नई शुरुआत की। इसके बाद रक्षा, ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी और शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ा। लेकिन हर अमेरिकी प्रशासन की प्राथमिकताएँ अलग रही हैं। बराक ओबामा ने भारत को 'नेचुरल पार्टनर' कहा, वहीं ट्रंप ने इसे 'ट्रेड राइवल' की तरह पेश किया। यही वह मोड़ है जिसने मौजूदा तनाव की नींव रखी।

ट्रंप प्रशासन की टैरिफ नीति और भारत पर असर

डोनाल्ड ट्रंप ने "अमेरिका फर्स्ट" नीति के तहत वैश्विक व्यापार में आक्रामक रुख अपनाया। चीन के साथ शुरू हुआ टैरिफ युद्ध धीरे-धीरे भारत तक भी पहुँचा। वस्त्र उद्योग (Textile): भारत के तिरुपुर और लुधियाना जैसे शहर अमेरिकी बाजार पर काफी निर्भर हैं। टैरिफ बढ़ने से भारतीय उत्पाद महंगे हो गए और बांग्लादेश तथा वियतनाम जैसे देशों ने बाज़ार में बढ़त बना ली। रत्न-आभूषण (Gems & Jewellery): सूरत में लाखों लोग हीरा काटने-घिसने के काम से जुड़े हैं। अमेरिकी बाजार सबसे बड़ा उपभोक्ता है। टैरिफ से यह उद्योग सीधे संकट में आया। सीफूड और केमिकल: आंध्र प्रदेश व केरल से अमेरिका को बड़ी मात्रा में झींगा और मछली जाती है। इस पर टैरिफ से निर्यात घटा। रसायन उद्योग, खासकर गुजरात का, भी प्रभावित हुआ। एक अनुमान के अनुसार, 55 से 65 अरब डॉलर का सालाना शिपमेंट खतरे में है। भारतीय जीडीपी पर इसका असर 0.5 से 0.7% तक पड़ सकता है। और सबसे बड़ी चिंता यह है कि 20 से 25 लाख नौकरियाँ दांव पर लग सकती हैं।

औद्योगिक हब पर मंडराता संकट

तिरुपुर (तमिलनाडु): यहां का वस्त्र उद्योग निर्यात-आधारित है। टैरिफ बढ़ने से अमेरिका से ऑर्डर घट गए। कई फैक्ट्रियाँ बंद होने के कगार पर हैं। सूरत (गुजरात): हीरा उद्योग की हालत पहले ही कमजोर थी, अब अमेरिकी टैरिफ ने चोट और गहरी कर दी। नोएडा (उत्तर प्रदेश): यहां आईटी और इलेक्ट्रॉनिक निर्यात पर असर हुआ। छोटे-मध्यम स्तर की इकाइयों पर बंद होने का खतरा है। इन हब्स में मजदूर वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। प्रवासी मजदूरों की रोज़ी-रोटी खतरे में है और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर इसका असर साफ दिख रहा है।

भारत की रणनीति: नए बाजारों की तलाश

अमेरिका पर निर्भरता घटाने के लिए भारत सरकार नए बाजारों की तलाश कर रही है। यूरोप: यूरोपीय संघ बड़ा उपभोक्ता है। ब्रेक्जिट के बाद ब्रिटेन भी स्वतंत्र बाजार के रूप में अवसर देता है। अफ्रीका: तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और सस्ती श्रम शक्ति के कारण अफ्रीका को भविष्य का बड़ा बाजार माना जा रहा है। लैटिन अमेरिका: ब्राजील, अर्जेंटीना और मेक्सिको जैसे देशों के साथ व्यापार समझौते भारत के लिए नए अवसर खोल सकते हैं। भारत का लक्ष्य है कि निर्यात में विविधता लाई जाए, ताकि किसी एक देश की नीतियों पर पूरा उद्योग निर्भर न रहे।

घरेलू मांग को बढ़ाने की कोशिशें

सरकार यह समझती है कि सिर्फ निर्यात पर भरोसा करके अर्थव्यवस्था को संभालना मुश्किल है। इसलिए घरेलू मांग को बढ़ाना जरूरी है। जीएसटी दरों में बदलाव: अगर इनपुट के लिए इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल पर कर कम होगा तो निर्यातक लागत घटा पाएंगे। उपकर में छूट: सीमेंट, कोयला और कार जैसे सेक्टर से उपकर हटाने से निर्माण और मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा। रोज़गार योजनाएँ: 'मेक इन इंडिया' और 'स्टार्टअप इंडिया' जैसी योजनाओं के जरिए स्थानीय स्तर पर रोज़गार पैदा करने की कोशिशें तेज की जा रही हैं।

शंघाई सहयोग संगठन (SCO) की अहमियत

ऐसे वक्त में जब अमेरिका से रिश्तों में तनाव है, भारत ने रूस और चीन जैसे देशों के साथ साझेदारी बढ़ाने का रास्ता चुना है। पुतिन और जिनपिंग से मुलाकात: प्रधानमंत्री मोदी ने SCO बैठक में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। चीन को फायदा: भारत की उपस्थिति ने SCO को मजबूती दी और चीन को यह संदेश मिला कि भारत पूरी तरह अमेरिकी खेमे में नहीं है। रणनीतिक संतुलन: भारत ने यह दिखाया कि वह बहुपक्षीय कूटनीति के जरिए अपने विकल्प खुले रखना चाहता है।

ट्रंप की गिरती रेटिंग और राजनीतिक दबाव

डोनाल्ड ट्रंप की लोकप्रियता में गिरावट आ रही है। टैरिफ युद्ध से अमेरिकी उपभोक्ताओं पर भी असर पड़ा है, क्योंकि आयातित वस्तुएँ महंगी हुई हैं। अमेरिकी किसान और कारोबारी भी नाराज़ हैं। ट्रंप की गिरती रेटिंग उन्हें बैकफुट पर धकेल सकती है। भारत के लिए यह अवसर है कि वह बातचीत के जरिए टैरिफ में राहत हासिल करे। लेकिन यह भी सच है कि ट्रंप अप्रत्याशित फैसले लेने के लिए मशहूर हैं।

भारत के सामने चुनौतियाँ और अवसर

चुनौतियाँ: नौकरियों पर संकट, अमेरिकी बाजार का खोना, चीन के बढ़ते प्रभाव से दबाव, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव

अवसर: नए बाजारों में प्रवेश, घरेलू उद्योग को मजबूत करने का मौका, रूस और चीन के साथ रिश्तों को संतुलित करने का अवसर, आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ठोस कदम

भारत-अमरीका संबंधों का यह मोड़ बेहद संवेदनशील है। ट्रंप टैरिफ ने भारत को कठिन स्थिति में डाल दिया है, लेकिन भारत ने भी विकल्प तलाशने शुरू कर दिए हैं। यूरोप, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में नए बाजार, घरेलू मांग को बढ़ाने की नीतियाँ और SCO जैसे बहुपक्षीय मंच भारत को मजबूत बना सकते हैं। चीन को इस पूरी स्थिति का फायदा मिल रहा है, क्योंकि वह खुद को अमेरिका के विकल्प के रूप में पेश कर रहा है। भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह अमेरिकी बाजार को पूरी तरह न खोए और साथ ही चीन पर भी पूरी निर्भरता न बनाए। भविष्य का रास्ता यही है कि भारत बहुपक्षीय कूटनीति, विविध आर्थिक साझेदारी और घरेलू सुधारों के जरिए अपनी स्थिति को मजबूत करे। तभी वह टैरिफ, तेल और तंज की इस वैश्विक राजनीति में टिक पाएगा और 21वीं सदी में अपनी भूमिका मजबूती से निभा सकेगा।

भविष्य की संभावनाएँ और नीतिगत सुधार

भारत के सामने यह समय कठिन जरूर है, लेकिन इसे अवसर में बदला जा सकता है। अगर भारत अपनी नीतियों में कुछ ठोस कदम उठाए तो वैश्विक व्यापार में नई दिशा पा सकता है।

टेक्नोलॉजी और इनोवेशन पर जोर: अमेरिकी बाजार के नुकसान की भरपाई तभी होगी जब भारत उच्च तकनीक वाले उत्पाद और सेवाएँ विकसित करेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर निर्माण और हरित ऊर्जा (Green Energy) ऐसे सेक्टर हैं जिनमें भारत वैश्विक स्तर पर पहचान बना सकता है।

कृषि निर्यात में सुधार: भारत के पास विशाल कृषि उत्पादन है। अगर प्रोसेसिंग और वैल्यू एडिशन पर ध्यान दिया जाए तो अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे बाजार भारत के लिए बहुत बड़े अवसर साबित हो सकते हैं।

नेशनल रीड अ बुक डे : किताबें हमारी सभ्यता और संस्कृति की धड़कन

-पढ़ने की आदत: सोच को गहराई देने का आसान तरीका

हर साल 6 सितंबर को मनाया जाने वाला नेशनल रीड अ बुक डे केवल एक औपचारिक दिन नहीं है, बल्कि यह हमें किताबों के महत्व की याद दिलाने वाला उत्सव है। किताबें केवल अक्षरों और पन्नों का संग्रह नहीं होतीं, बल्कि हमारी सभ्यता, संस्कृति और मानवीय अनुभवों की सबसे बड़ी धरोहर होती हैं। यह दिन हमें सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम वास्तव में किताबों से दूर होते जा रहे हैं, और यदि हाँ, तो इस प्रवृत्ति को कैसे बदला जा सकता है।

किताबें : सभ्यता की धड़कन

इतिहास गवाह है कि किताबें हमेशा से समाज को दिशा देने का सबसे सशक्त साधन रही हैं। वैदिक साहित्य, उपनिषद, महाकाव्य रामायण-महाभारत से लेकर कुरआन, बाइबिल और गुरुग्रंथ साहिब तक—हर दौर में किताबें केवल धार्मिक या साहित्यिक धरोहर नहीं रहीं, बल्कि जीवन जीने की राह दिखाने वाली प्रेरणा बनीं।

किताबें हमें यह एहसास कराती हैं कि सभ्यताएं चाहे बदल जाएं, पर ज्ञान का प्रवाह किताबों के जरिए लगातार बहता रहता है। एक किताब केवल लेखक की सोच नहीं, बल्कि पूरे समाज की चेतना का दस्तावेज होती है।

बीते वक्त की किताबों से मोहब्बत सिर्फ कुछ दशक पहले तक किताबों का जादू लोगों के सिर चढ़कर बोलता था। नए उपन्यास आते ही साहित्यिक हलकों में चर्चा छिड़ जाती। पुस्तक विमोचन समारोह का इंतजार उतना ही बेसब्री से होता जितना आज किसी बड़ी फिल्म या वेब सीरीज का। युवाओं के लिए लाइब्रेरी जाना, घंटों किताबों में डूबे रहना, एक फैशन और शौक दोनों था। साहित्यिक गोष्ठियां समाज का अहम हिस्सा थीं, जहाँ लेखक और पाठक आमने-सामने बैठकर विचार साझा करते। कई बार किताब पढ़ते-पढ़ते लोग रात भर जागते रहते और सुबह का सूरज उनके हाथों में किताब देखकर ही निकलता। यह जुनून केवल मनोरंजन का साधन नहीं था, बल्कि ज्ञान और आत्मिक संतोष का रास्ता था।

किताबों से बढ़ती दूरी की हकीकत

आज तस्वीर बदल गई है। किताबें अब भी लिखी जा रही हैं, बाजार में उपलब्ध हैं, ई-बुक्स और पीडीएफ मुफ्त में डाउनलोड हो सकती हैं, किंतु पाठक कम होते जा रहे हैं। सवाल उठता है—आखिर ऐसा क्यों? डिजिटल मनोरंजन का शोर : मोबाइल, सोशल मीडिया, वेब सीरीज और गेम्स ने युवाओं का बड़ा हिस्सा अपने कब्जे में ले लिया है। तेज रफ्तार जीवनशैली : हर किसी के पास वक्त कम है, किताब पढ़ने के लिए धैर्य और एकांत चाहिए, जो आज की जीवनशैली में दुर्लभ हो गया है। तत्काल संतुष्टि की चाहत : लोग अब त्वरित जानकारी चाहते हैं। लंबा उपन्यास पढ़ने से बेहतर उन्हें छोटा वीडियो या इंस्टाग्राम पोस्ट अधिक आकर्षक लगता है। पढ़ने की आदत का टूटना : एक समय था जब माता-पिता बच्चों को कहानियाँ सुनाते थे, किताबें उपहार में दी जाती थीं। अब यह परंपरा लगभग गायब हो गई है।

किताबों की बदलती जगह

भले ही किताबों का सीधा पाठन कम हुआ है, लेकिन उन्होंने अपना रूप बदल लिया है। ई-बुक्स : अब लोग किंडल और मोबाइल एप्स पर किताबें पढ़ते हैं। ऑडियोबुक्स : चलते-फिरते ज्ञान अर्जित करने का नया माध्यम बन चुकी हैं। डिजिटल लाइब्रेरी : ऑनलाइन हजारों किताबें मुफ्त उपलब्ध हैं, जिससे ज्ञान की पहुँच आसान हुई है। हालाँकि सवाल यह है कि क्या ई-बुक्स और ऑडियोबुक्स पारंपरिक पढ़ने के जुनून को जगा पा रही हैं? जवाब आंशिक रूप से हाँ है, लेकिन वास्तविक किताब की गंध, उसके पन्ने पलटने का

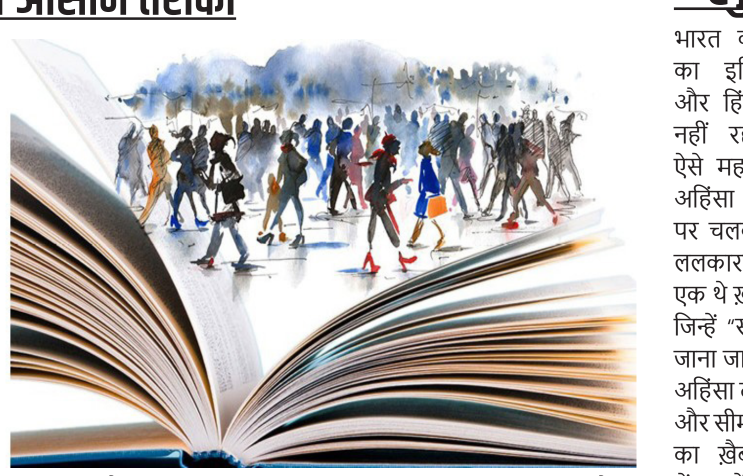

आनंद और एकांत में उससे संवाद करने का सुख आज भी डिजिटल माध्यम पूरी तरह नहीं दे पाते।

पढ़ने की आदत का महत्व

किताबें केवल समय बिताने का साधन नहीं हैं, बल्कि सोचने-समझने और व्यक्तित्व को परिपक्व बनाने का जरिया हैं। गहराई से सोचने की क्षमता : किताबें हमें हर विषय पर ठहरकर विचार करने की आदत डालती हैं। कल्पनाशीलता का विकास : कहानियाँ और उपन्यास हमारी कल्पना को उड़ान देते हैं। ज्ञान का विस्तार : हर नई किताब हमें नया दृष्टिकोण देती है। मानसिक शांति : किताबें हमें सोशल मीडिया के शोर से दूर ले जाकर एक अलग ही दुनिया में पहुँचा देती हैं।

क्या किताबें वापसी कर सकती हैं?

आज यह चिंता है कि किताबें धीरे-धीरे जीवन से ओझल हो रही हैं। लेकिन दूसरी तरफ उम्मीद की किरण भी है। शहरों और कस्बों में छोटे-छोटे रीडिंग क्लब बन रहे हैं। स्कूल और कॉलेजों में फिर से बुक फेयर और साहित्यिक गतिविधियाँ लोकप्रिय हो रही हैं। कई लोग सोशल मीडिया पर ही किताबों की समीक्षा और सिफारिश साझा करके पढ़ने की आदत को जीवित रख रहे हैं। कुछ परिवार अब भी बच्चों को सोने से पहले कहानी सुनाने की परंपरा निभाते हैं। यह संकेत है कि किताबों का आकर्षण खत्म नहीं हुआ है, बस उसे नए तरीकों से जगाने की जरूरत है।

किताबों को जीवन में लौटाने के उपाय

हर दिन पढ़ने की आदत : चाहे 15 मिनट ही सही, रोज किताब पढ़ें। परिवार में पढ़ने की संस्कृति : बच्चों को मोबाइल के बजाय किताबें उपहार में दें। बुक क्लब और चर्चा मंच : सामूहिक रूप से पढ़ने और विचार साझा करने से रुचि बढ़ती है। स्कूल स्तर पर पहल : शिक्षा संस्थानों में बुक फेयर, कहानी प्रतियोगिता और लाइब्रेरी समय को फिर से लोकप्रिय बनाना होगा। डिजिटल का सही इस्तेमाल : ई-बुक्स और ऑडियोबुक्स को भी पढ़ने की आदत बढ़ाने के साधन की तरह अपनाया जाए। नेशनल रीड अ बुक डे हमें यह याद दिलाता है कि किताबें केवल पन्नों का ढेर नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता की आत्मा हैं। वे हमें इतिहास से जोड़ती हैं, वर्तमान को समझाती हैं और भविष्य की राह दिखाती हैं। तकनीक और मनोरंजन के इस शोरगुल वाले युग में किताबें ही वह शांत जगह हैं जहाँ हम खुद से और अपनी सोच से जुड़ सकते हैं। आज जरूरत है कि हम किताबों को फिर से अपनी ज़िंदगी का हिस्सा बनाएं। अगर हम अपने बच्चों, समाज और आने वाली पीढ़ी को गहराई से सोचने, समझने और संवेदनशील बनने की कला सिखाना चाहते हैं, तो किताबों की ओर लौटना ही होगा।

ख़ान अब्दुल ग़फ़्फ़ार ख़ान : सरहदी गांधी का जीवन, संघर्ष और योगदान

-"खुदाई खिदमतगार" आंदोलन की स्थापना

भारत की आज़ादी की लड़ाई का इतिहास सिर्फ़ हथियारों और हिंसक क्रांति तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसमें कई ऐसे महानायक भी हुए जिन्होंने अहिंसा और इंसानियत की राह पर चलकर अंग्रेज़ों की सत्ता को ललकारा। इन्हीं महानायकों में से एक थे ख़ान अब्दुल ग़फ़्फ़ार ख़ान, जिन्हें "सरहदी गांधी" के नाम से जाना जाता है। वे महात्मा गांधी के अहिंसा दर्शन से गहरे प्रभावित हुए और सीमांत प्रदेश (अब पाकिस्तान का ख़ैबर पख़्तूनख़्वा इलाक़ा) में उन्होंने "खुदाई खिदमतगार" आंदोलन खड़ा किया। यह आंदोलन अहिंसा, भाईचारे और इंसानियत का प्रतीक बना। उनके जीवन का हर पहलू यह साबित करता है कि मज़हब या इलाक़ा इंसानियत से बड़ा नहीं होता।

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

ख़ान अब्दुल ग़फ़्फ़ार ख़ान का जन्म 6 फरवरी 1890 को पेशावर के नज़दीक उत्मानज़ई गांव (अब पाकिस्तान) में हुआ। उनका ताल्लुक़ पठान समाज से था, जिसे उस समय दुनिया में सबसे लड़ाकू और कठोर माना जाता था। लेकिन ग़फ़्फ़ार ख़ान ने अपने समाज की इसी छवि को बदलने का बीड़ा उठाया। वे बचपन से ही तेज़-तर्रार और जिज्ञासु स्वभाव के थे। उनकी प्रारंभिक पढ़ाई गांव में हुई और आगे की पढ़ाई उन्होंने अंग्रेज़ी मिशन स्कूल, पेशावर से पूरी की। शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने सेना में भर्ती होने का प्रयास किया, लेकिन ऊँचाई और शारीरिक कसौटी में पास होने के बावजूद अंग्रेज़ों ने उन्हें चयनित नहीं किया। इसका कारण यह था कि अंग्रेज़ी सत्ता पठानों को शक की निगाह से देखती थी और उन्हें भरोसेमंद नहीं मानती थी। इस घटना ने उनके जीवन पर गहरा असर डाला और उन्होंने यह ठान लिया कि वे अपने समाज के पिछड़ेपन और अशिक्षा को दूर करेंगे।

शिक्षा और सामाजिक सुधार का संकल्प

ग़फ़्फ़ार ख़ान का मानना था कि शिक्षा ही असली ताक़त है। उन्होंने अपने गाँव में एक स्कूल की स्थापना की और पठान बच्चों को पढ़ाने लगे। उनका यह कदम अंग्रेज़ सरकार को नागवार गुज़रा क्योंकि अंग्रेज़ नहीं चाहते थे कि सीमांत प्रदेश में शिक्षा और जागरूकता फैले। ग़फ़्फ़ार ख़ान ने समाज सुधार की दिशा में काम करना शुरू किया। वे महिलाओं की शिक्षा, पर्दा प्रथा, जातिगत भेदभाव और समाज में फैली कट्टरता के खिलाफ़ खुलकर बोले। धीरे-धीरे वे अपने इलाके में "बड़ा भाई" या "बाचा ख़ान" के नाम से लोकप्रिय हो गए।

गांधीजी से मुलाक़ात और अहिंसा का मार्ग

1920 के दशक में ग़फ़्फ़ार ख़ान महात्मा गांधी से मिले और उनके विचारों से गहराई से प्रभावित हुए। गांधीजी के "सत्याग्रह" और "अहिंसा" के सिद्धांतों ने ग़फ़्फ़ार ख़ान को अपने समाज के लिए नई राह दिखाई। उन्होंने यह महसूस किया कि पठान समाज को हथियारों और झगड़ों से नहीं, बल्कि शिक्षा, भाईचारे और अहिंसा से बदलना होगा। इसी सोच से उन्होंने "खुदाई खिदमतगार" (ईश्वर के सेवक) संगठन की स्थापना की।

खुदाई खिदमतगार आंदोलन

"खुदाई खिदमतगार" आंदोलन की शुरुआत 1929 में हुई। इस आंदोलन के सदस्य लाल रंग की वर्दी पहनते थे और इन्हें "सुरख पोश" भी कहा जाता था। संगठन का मुख्य उद्देश्य था :

अशिक्षा का अंत करना: समाज में बराबरी और भाईचारे को बढ़ावा देना, अंग्रेज़ी हुकूमत का अहिंसक तरीक़े से विरोध करना

पठान समाज में सुधार लाना : इस आंदोलन के लाखों कार्यकर्ताओं ने अहिंसा की राह पर चलने का प्रण लिया। अंग्रेज़ी हुकूमत ने उन्हें तोड़ने की हर कोशिश की – ज़ुल्म किए, जेलों में डाला, गोलियाँ चलाईं – लेकिन ये अहिंसक "खिदमतगार" कभी पीछे नहीं हटे।

पेशावर कांड और ग़फ़्फ़ार ख़ान का संघर्ष

1930 में सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान पेशावर में ग़फ़्फ़ार ख़ान और उनके साथियों ने शांति मार्च निकाला। अंग्रेज़ सरकार ने इस जुलूस पर गोलियाँ चलवा दीं। सैकड़ों लोग शहीद हुए, लेकिन फिर भी किसी ने हिंसा का जवाब हिंसा से नहीं दिया। यह घटना भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में दर्ज एक अद्वितीय मिसाल है। अंग्रेज़ भी हैरान रह गए कि पठान जैसे लड़ाकू समाज के लोग अहिंसा पर इतना डटे रह सकते हैं।

भारत छोड़ो आंदोलन और जेल जीवन

ग़फ़्फ़ार ख़ान ने भारत छोड़ो आंदोलन (1942) में भी सक्रिय भागीदारी निभाई। अंग्रेज़ों ने उन्हें कई बार जेल में डाला। उनका जीवन लगभग 35 साल जेलों में बीता – कभी अंग्रेज़ों ने कैद किया, तो कभी बाद में पाकिस्तान की सरकार ने।

विभाजन और ग़फ़्फ़ार ख़ान की पीड़ा

1947 में जब भारत का विभाजन हुआ, तो ग़फ़्फ़ार ख़ान को गहरा सदमा लगा। वे चाहते थे कि पूरा उपमहाद्वीप एकजुट रहे। उन्होंने पाकिस्तान में भी अहिंसा और लोकतंत्र की आवाज़ उठाई, लेकिन वहां की सरकारों ने उन्हें हमेशा शक की नज़र से देखा। उन्होंने पाकिस्तान के नेताओं से कहा था – "आप हमें पाकिस्तान में बिना पूछे डाल सकते हैं, लेकिन हमारे दिलों से हिंदुस्तान का प्यार कभी नहीं निकाल सकते।"

ग़फ़्फ़ार ख़ान का दर्शन

ग़फ़्फ़ार ख़ान का मानना था कि अहिंसा सिर्फ़ एक रणनीति नहीं, बल्कि जीवन जीने का तरीका है। उन्होंने कहा था – "मेरे लिए अहिंसा कायरता नहीं, बल्कि बहादुरी का दूसरा नाम है।" उनका संदेश था कि असली जिहाद तलवार से नहीं, बल्कि अपने गुस्से और बुरे विचारों पर काबू पाने से होता है।

सम्मान और विरासत

ख़ान अब्दुल ग़फ़्फ़ार ख़ान को 1987 में भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान "भारत रत्न" दिया गया। यह सम्मान उन्हें इस बात के लिए दिया गया कि वे सीमाओं से परे इंसानियत और भाईचारे के पुजारी थे। उनकी मृत्यु 20 जनवरी 1988 को अफ़ग़ानिस्तान में हुई। उनकी अंतिम इच्छा के अनुसार उन्हें जलालाबाद (अफ़ग़ानिस्तान) में दफ़नाया गया। उनकी मौत के बाद भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर एक दिन के लिए युद्धविराम किया गया, ताकि लोग उन्हें श्रद्धांजलि दे सकें। यह उनकी महानता का सबसे बड़ा प्रमाण है। ख़ान अब्दुल ग़फ़्फ़ार ख़ान यानी "सरहदी गांधी" ने यह साबित कर दिया कि अहिंसा सिर्फ़ किसी एक मज़हब या क्षेत्र की विचारधारा नहीं, बल्कि इंसानियत का वैश्विक संदेश है। उन्होंने पठान समाज को शिक्षा, भाईचारे और इंसानियत की राह दिखाई। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि सच्चा संघर्ष हथियारों से नहीं, बल्कि विचारों से लड़ा जाता है। अंग्रेज़ों के ज़ुल्म के बावजूद उन्होंने कभी अहिंसा का दामन नहीं छोड़ा। वे गांधीजी के सबसे सच्चे अनुयायियों में से एक थे और इंसानियत के ऐसे सिपाही थे, जिन्हें हमेशा याद किया जाएगा। ख़ान अब्दुल ग़फ़्फ़ार ख़ान का योगदान सिर्फ़ सीमांत प्रांत तक सीमित नहीं था। उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में हर बड़े आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। उनका मानना था कि अंग्रेज़ी साम्राज्य सिर्फ़ हिंदुस्तानियों की गुलामी से ही नहीं, बल्कि उनकी मानसिक गुलामी से भी मज़बूत है। इसीलिए वे शिक्षा और आत्मसम्मान पर ज़ोर देते थे। वे हमेशा कहा करते थे – "यदि आप बच्चों को शिक्षा देंगे, तो वे कभी गुलामी को स्वीकार नहीं करेंगे।" यही कारण था कि उन्होंने सीमांत इलाक़ों में शिक्षा प्रसार को आंदोलन का मुख्य आधार बनाया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में जोधपुर के लालसागर वन खंड में मातृ वन की स्थापना

-'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत हरित जोधपुर की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में शुक्रवार को जोधपुर के लालसागर वन खंड में मातृ वन की स्थापना की गई। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर वट का पौधा लगाकर हरियालो राजस्थान का संदेश दिया। शर्मा ने वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्य जारी रखने की प्रेरणा देते हुए वृक्षारोपण कार्यक्रम को और गति प्रदान करने के निर्देश दिए। इस दौरान विधायक अतुल भंसाली भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर चलाए गए 'एक पेड़ मां के नाम अभियान' के तहत

प्रदेशभर में मातृ वन की स्थापना की जा रही है। जोधपुर में मातृ वन के माध्यम से लालसागर वन खंड की पारिस्थितिकी को पुनर्जीवित कर हरित क्षेत्र का विकास किया जा रहा है। इस अभियान में अधिक से अधिक संख्या में आमजन की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने नई बसों को दिखाई हरी झण्डी -प्रदेश को सुगम यातायात की मिली सौगात

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को जयपुर के अमर जवान ज्योति से आरएसआरटीसी की 160 ब्लू लाइन एक्सप्रेस बसों के फ्लैग ऑफ के साथ ही जयपुर से काठगोदाम (कैंचीधाम उत्तराखण्ड) के लिए सुपर लग्जरी बस का शुभारम्भ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन के लिए सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं आधुनिक यातायात सुविधा के विस्तार के साथ प्रदेश प्रगति के पथ पर निरंतर अग्रसर हो रहा है। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक हर सुविधा की पहुंच सुनिश्चित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। नवीन बसों के संचालन से यातायात के बढ़ते दबाव के प्रबंधन में सुगमता

के साथ ही आमजन को बेहतर यातायात सुविधाएं मिल सकेंगी। इससे पहले मुख्यमंत्री ने राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम द्वारा क्रय की गई इन नवीन बसों का विधिवत रूप से पूजन किया। साथ ही उन्होंने बसों का अवलोकन करते हुए सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में सार्वजनिक परिवहन के माध्यम से आमजन को सस्ती, सुरक्षित एवं आधुनिकतम यातायात सुविधा उपलब्ध कराने हेतु नवीन बसें शामिल कियें जाने की बजट घोषणा की गई थी। इसकी अनुपालना में प्रदेश के 12 विभिन्न बस डिपो को 160 ब्लू लाइन एक्सप्रेस बसें उपलब्ध कराई गई हैं, जिसमें वैशाली नगर, विद्याधर नगर, शाहपुरा, जयपुर, हिण्डौन, दौसा, अजमेर, अजयमेरू, कोटपूतली, धौलपुर, सवाईमाधोपुर, भीलवाड़ा शामिल हैं।

सप्त दिवसीय गणेश महोत्सव में आरती कर फल वितरित किए गए

सांगानेर (रॉयल पत्रिका)। सप्त दिवसीय गणेश महोत्सव में सर्राफा बाजार के व्यापारियों ने गणपति जी की आरती उतार कर भोग प्रसादी में फल वितरित का कार्यक्रम रखा गया। गणेश जी की स्थापना के पश्चात प्रतिदिन प्रातः और सायं पूजा का कार्यक्रम होता हैं। इसके पश्चात विधि विधान से गणेश जी की शोभायात्रा धूमधाम से निकाली जाती है। जो अन्त में मासी नदी डिग्गी रोड पर विसर्जन की जाती है। उसके पश्चात सभी भक्तों को पंगत प्रसादी में दाल बाटी चूरमा का भोग लगा कर जीमबडी की जाती है।

संसदीय कार्य मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री ने विधानसभा क्षेत्र लूणी की समीक्षा बैठक ली

-अतिवृष्टि प्रभावितों को त्वरित राहत एवं किसानों की गिरदावरी शीघ्र पूरी करने के निर्देश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और जिला प्रभारी मंत्री एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर की अध्यक्षता में शनिवार को जोधपुर जिले के विधानसभा क्षेत्र लूणी में अतिवृष्टि से क्षेत्र में हुए नुकसान और समस्याओं के संबंध में राजस्व, कृषि एवं पंचायती राज विभाग की समीक्षा बैठक पाल रोड़ स्थित पंचायत समिति लूणी के सभागार में आयोजित हुई। जिला प्रभारी मंत्री दिलावर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रभावितों तक राहत पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही उन्होंने सभी ग्राम पंचायत में समुचित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। संसदीय कार्य मंत्री पटेल ने क्षेत्र में हुई वर्षा, अतिवृष्टि से हुए नुकसान तथा जन-धन हानि की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करने और अंतिम छोर तक राहत पहुँचाने के निर्देश दिए। साथ ही, क्षतिग्रस्त स्कूलों, अस्पतालों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों की मरम्मत के प्रस्ताव शीघ्र तैयार करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। पटेल ने कृषि एवं राजस्व विभाग को निर्देश दिए कि खराब हुई फसलों की गिरदावरी समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पूर्ण की जाए, ताकि किसानों को शीघ्र मुआवजा एवं फसल बीमा का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा किसान हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, इस कठिन समय में सरकार उनके साथ खड़ी है।

एनटीपीसी ने महात्मा गांधी विद्यालयों में सजाई आधुनिक प्रयोगशालाएं

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर है। उनके लिए विज्ञान अब केवल किताबों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उनके हाथों में प्रयोगशाला उपकरणों के रूप में जीवंत हो उठेगा। एनटीपीसी ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पहल के तहत राजपुरा में स्थित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालयों (अंग्रेजी माध्यम) में फिजिकल साइंस, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के लिए उन्नत विज्ञान किट उपलब्ध कराए गए हैं। विद्यालय में सीबीईओ प्रतिनिधि RP रामकरण सैनी, विमल कुमार मृदुगल प्रधानाचार्य सरिता मीना, सोशल डेवलपमेंट एंड हेरिटेज एंड वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन फाउंडेशन डायरेक्ट डॉ. शंकरलाल सैनी, श्रीराम यादव CA, मोहन लाल कपूरिया, किशोर यादव, आनन्द प्रकाश बंगाली भामाशाह आदि अतिथियों ने फीता काटकर लैब का उद्घाटन किया। इस मौके पर सीबीईओ प्रतिनिधि RP रामकरण सैनी ने कहा कि एनटीपीसी ने अपने सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत विद्यार्थियों के लिए प्रयोगशाला उपकरण, माप यंत्र, मॉडल, माइक्रोस्कोप, स्लाइड्स और अन्य सामग्री उपलब्ध करवाई है जिसके लिए विद्यालय परिवार एनटीपीसी

का आभार व्यक्त करता है। इन साइंस लैब उपकरणों से विद्यार्थी पाठ्यक्रम में दिए गए सिद्धांतों को स्वयं प्रयोग कर सीखें। जिससे उनकी वैज्ञानिक सोच और समस्या समाधान क्षमता बढ़े। भविष्य में नई वैज्ञानिक सोच का आविष्कार होगा विद्यालय शिक्षकों के अनुसार प्रयोगात्मक सामग्री मिलने से विद्यार्थियों की विज्ञान में रुचि पहले से कहीं अधिक बढ़ी है और उनकी सीखने की क्षमता में भी तेजी आएगी। इस मौके पर प्रोग्राम में इंजीनियर असरार अहमद, इंजीनियर नवीन निसार बारूदगर, नरेंद्र वर्मा, सुनीता सैनी, मनीषा अग्रवाल, प्रतिभा अग्रवाल, रविशंकर सोनी,राम सिंह मीणा, मुहम्मद जावेद कुरैशी, गोविन्द सिंह स्वामी, कृष्ण कुमार जिंजवाडिया, रामावतार कपूरिया, कन्हैया लाल यादव, रेखा शर्मा, बलराम सैनी, रणजीत कुमार रैगर, वरुण सिंह,पुष्कर लाल तथा विद्यालय के बच्चे आदि मौजूद रहे। प्रधानाचार्य सरिता मीना ने बताया कि सोशल डेवलपमेंट एंड हेरिटेज एंड वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन फाउंडेशन इस परियोजना को स्थिरता और दीर्घकालिक प्रभाव प्रदान करने के लिए निगरानी करेगी, ताकि किट्स का सुरक्षित व निरंतर उपयोग सुनिश्चित हो सके। उन्होंने विद्यालय परिवार की तरफ से सभी अतिथियों का पुष्पमाला एवं साफा पहनाकर और प्रशस्ति पत्र देकर स्वागत एवं धन्यवाद किया। मंच संचालन गोविन्द सिंह स्वामी ने किया।

ईद मिलादुन्नबी का जलसा सांगानेर में निकला, धूमधाम से आमना के लाल तुझे सलाम

सांगानेर (रॉयल पत्रिक)। सरकार की आमद मरहबा, नारायन तकबीर अल्लाहू अकबर के नारों के साथ सांगा बाबा की धरती सांगानेर में गंगा जमुनी तहजीब को समेटे हुए अमनो-अमान के साथ डीजे, गाजे बाजे के साथ धूमधाम से जुलूस निकाला गया। सुबह 9:00 बजे से ही 35 सेक्टर, रामसिंहपुरा, सुभाष कॉलोनी, कागजी कॉलोनी से अलग-अलग कॉलोनीयों से जुलूस की शक्ल में कोहिनूर टॉकीज के सामने इकट्ठे हुए। जहां पर खालिद कागजी एवं शईद कागजी बरकाती ने सबका स्वागत किया। इसके बाद विशाल जुलूस ईदगाह, मालपुरा गेट, मेन मार्केट,से होते हुए सांगा बाबा सर्कल, पर इकट्ठे होकर हुजूर की शान में मीलाद पड़ी गई। इसके बाद एल एम बी दरगाह

पर जुलूस का समापन हुआ। इस मौके पर पुलिस प्रशासन सांगानेर उपायुक्त विनोद कुमार शर्मा एवं थाना मालपुरा गेट इंचार्ज मुनेंद्र सिंह के नेतृत्व में बिल्कुल मुस्तैद रहा है। कमेटी अंजुमन फैजाने गरीब नवाज सांगानेर जयपुर ने सभी का इस्तकबाल किया गया। शामिल गणमान्य लोगों में कारी इरफान साहब, कारी अंसार साहब, कारी मुलाजिम रजा साहब, कारी मिन्जार साहब, इस्लाम भाई कागजी, विधायक अमीन कागजी आदि शामिल हुए। कमेटी के सदस्यों में मन्नू भाई, राजा भाई, सफीक पठान, रईस खान, मोहसिन खान, मोईन अत्तारी, राजा खान, साबू भाई ,इमरान लोहार, इरफान खान, रियाज भाई ,अब्दुल भाई , रशीद भाई, कल्लू भाई, वसीम खान, मोहसिन, हैदर अली, गुलाम नबी, रेहान खान, साजिद खान, फिरोज पटेल, मुजफ्फर खान आदि एवं हजारों की संख्या में दूर-दूर से आए जायरीन शामिल हुए।

जलभराव के बाद प्रभावित क्षेत्र में एक किलोमीटर पैदल चल कर पीड़ितो के पास पहुंचे देवनानी

-फिर से बनेगी बोराज तालाब की पाल स्वास्तिक कॉलोनी व अन्य कॉलोनियों में हुए नुकसान का अतिशीघ्र सर्वे

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। अजमेर के बोराज तालाब की पाल टूटने से जलभराव के बाद विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी स्वयं पीड़ितों के बीच पहुंच गए। देवनानी करीब एक किलोमीटर तक जलभराव के बाद प्रभावित क्षेत्र, कॉलोनी, पाल, खेत व आसपास की इलाके में पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवारों से बात की और जल्द मदद का भरोसा दिलाया। क्षेत्र में तालाब की पाल पुनः बनेगी। क्षेत्र में सर्वे कर पीड़ित परिवारों को मुआवजा दिलाया जाएगा। वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को अजमेर शहर के बोराज गांव स्थित तालाब की पाल टूटने से जलभराव के पश्चात स्वास्तिक नगर नगर में हुई क्षति का जिला कलक्टर लोकबंधु, पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा एवं एडीए व नगर निगम के अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचकर जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों को

पूरी सतर्कता के साथ राहत कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। देवनानी ने कहा कि बोराज तालाब की पाल टूटने से स्वास्तिक नगर सहित आसपास की कॉलोनियों में जलभराव की स्थिति बनी थी। इसके चलते भवनों एवं संपत्तियों को नुकसान पहुंचा है। प्रशासन द्वारा गुरूवार को दिन से ही रात्रि से राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। जलभराव वाले क्षेत्रों से प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है तथा उनके लिए भोजन, पानी, दवा एवं ठहरने की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को हर संभव सहयोग प्रदान करने को निर्देशित किया है। प्रभावित व्यक्तियों के नुकसान का सर्वे कर मुआवजा एवं नियमानुसार क्षतिपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा तालाब के पास जल बहाव और जलभराव के पश्चात क्षेत्र से निवासियों को सुरक्षित बाहर निकालकर नजदीकी राजकीय विद्यालय में बनाए आश्रय स्थल पर भेजा जा रहा है। उन्होंने निवासियों से अपील की कि सुरक्षा की दृष्टि से वे कुछ समय के लिए आश्रय स्थल या अन्य सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं।

विशेष रूप से सक्षम बच्चों की खेलकूद प्रतियोगिताओं का हुआ भव्य शुभारम्भ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। माननीय रालसा द्वारा विशेष रूप से सक्षम बच्चों में विधिक जागृति पैदा करने के उद्देश्य से खेलकूद व अन्य गतिविधियों के जरिए विधिक चेतना अभियान उड़ान 2.0 का शनिवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम के इन्डोर स्टेडियम में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधिपति जे. के. माहेश्वरी मुख्य आतिथ्य में उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ माननीय न्यायाधिपति के आगमन पर पुलिस बैण्ड की स्वागत धुन व नालसा के थीम सॉन्ग के साथ हुआ। इस दौरान अतिथियों द्वारा आकाश में गुब्बारे उड़ाए गए। वाल ऑफ इंशपिरेशन पर हस्ताक्षर किए, सभी खिलाड़ियों के पास जाकर उनका खेल देखा और उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधिपति ने कहा कि विशेष रूप से सक्षम बच्चों को खेल के साथ-साथ हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए हिम्मत उत्साह व लगन से प्रयास करने होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे रालसा के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायाधिपति संजीव प्रकाश शर्मा ने बताया कि उड़ान 2.0 से विशेष योग्यजन बच्चों को उनके सपनों को साकार करने के लिए नई प्रेरणा मिलेगी। स्वागत भाषण व्यायाधिपति डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह भाटी ने दिया वहीं न्यायाधिपति इन्द्रजीत सिंह भाटी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। राजसा के सदस्य सचिव हरिओम अत्री ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए बताया कि सम्पूर्ण राजस्थान के हर जिले में रालसा उड़ान 2.0 कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया हैं।

की मुहम्मद से वफ़ा तो हम तेरे है, ये दुनियां क्या चीज़ है लौह क़लम तेरे है- इक़बाल खान

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस नगर कमेटी के उपाध्यक्ष व पूर्व रेंजर इक़बाल खान ने कहा कि खुदा ख़ुद फरमा रहा है कि, की मुहम्मद से वफ़ा तो हम तेरे है, ये दुनियां क्या चीज़ है लौह क़लम तेरे है। यह शब्द इक़बाल खान ने जश्न ए ईद मिलादुन्नबी पर कहे। उन्होंने बताया कि ईद मिलादुन्नबी इस्लाम धर्म का एक प्रमुख त्योहार है, जो पैगंबर हज़रत मुहम्मद सल्लाहों अलेह व सल्लम के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है। यह त्योहार रबी अल-अव्वल महीने की 12 वीं तारीख को मनाया जाता है, जो इस्लामी कैलेंडर का तीसरा महीना है।

ईद मिलादुन्नबी का महत्व-

पैगंबर हज़रत मुहम्मद सल्लाहों अलेह व सल्लम के जन्मदिन के रूप में मनाया जाने वाला यह त्योहार मुसलमानों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस दिन लोग मस्जिदों में जाते हैं, जहां वे उपदेश सुनते हैं और

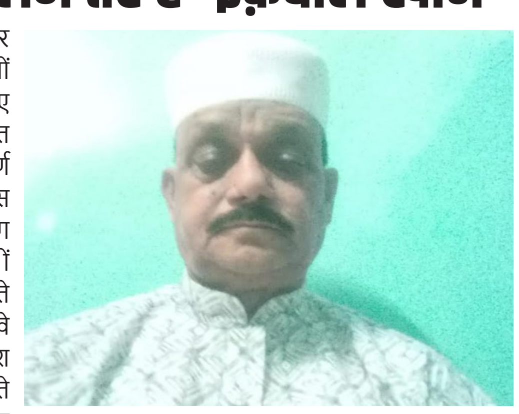

अल्लाह के लिए नमाज पढ़ते हैं व पैगंबर हजरत मुहम्मद सल्लाहों अलेह व सल्लम के हक़ में दुआएं करते है लोग अपने दोस्तों और परिवार के सदस्यों को मिठाइयां और अन्य पकवान बांटते हैं।

ईद मिलादुन्नबी कैसे मनाई जाती है?-

इस दिन लोग गली-मोहल्लों में इस्लामी झंडे लगाते हैं। मस्जिदों में दरूद व सलाम पढ़ते है। गरीबों में जकात भी दी जाती है, जिससे सवाब मिलता है। लोग जुलूस निकालकर खुशियां मनाते हैं और पैगंबर हजरत मुहम्मद सल्लाहों अलेह व सल्लम की शिक्षाओं को याद करते हैं।

प्रभारी मंत्री ने अतिवृष्टि प्रभावितों को त्वरित राहत देने के दिए निर्देश

-किसानों की गिरदावरी शीघ्र करने पर दिया जोर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं बूंदी जिले के प्रभारी मंत्री हीरालाल नागर ने शुक्रवार को बूंदी जिले में अतिवृष्टि से उपजे हालातों और प्रभावित क्षेत्रों में चलाए जा रहे राहत कार्यों की गहन समीक्षा की। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रभावितों तक राहत पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में प्रभारी मंत्री ने जिले में अब तक हुई मानसूनी वर्षा के आंकड़ों, अतिवृष्टि के कारण हुए विभिन्न प्रकार के नुकसान, और आपदा के दौरान अपनी जान गंवाने वाले लोगों के आश्रितों को दी जाने वाली सहायता की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने विशेष रूप से आकाशीय बिजली गिरने तथा पानी में डूबने से हुई मौतों पर दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों को तत्काल मुआवजा

स्वीकृत करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। जिला प्रभारी मंत्री ने सभी विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ काम करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि राहत का लाभ अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचे। प्रभारी मंत्री नागर ने बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुए सरकारी भवनों, विशेषकर स्कूलों, अस्पतालों और आंगनबाड़ी केन्द्रों की मरम्मत के प्रस्तावों पर भी चर्चा की। उन्होंने एसडीआरएफ के नियमों के तहत विभिन्न विभागों से प्राप्त मरम्मत प्रस्तावों की समीक्षा करते हुए सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन भवनों की मरम्मत का कार्य शीघ्रता से सुनिश्चित किया जाएं, ताकि आमजन से जुड़ी आवश्यक सेवाएं बाधित न हों। किसानों की पीड़ा को समझते हुए, प्रभारी मंत्री ने बैठक का मुख्य फोकस फसल खराबे पर रखा। उन्होंने कृषि विभाग और राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार खराब हुई फसलों की गिरदावरी का कार्य अविलंब पूरा करवाया जाएं।

नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री ने दी विकास योजनाओं की सौगात

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सीकर में शुक्रवार को अपने दो दिवसीय दौरे के पहले दिन नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने अपने विधानसभा क्षेत्र श्रीमाधोपुर का दौरा किया और ग्रामीण आंचल से लेकर शहरी क्षेत्रों तक कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। दौरे की शुरुआत राज्य मंत्री खर्रा ने अजीतगढ़ के गढटकनेत से मूण्डरू फुटाला और फुटाला से रतनपुरा सहित आधा दर्जन से अधिक सड़कों के शिलान्यास से की। श्रीमाधोपुर रेलवे स्टेशन स्थित हनुमान मंदिर में दर्शन कर उन्होंने नगरवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने रींगस-श्रीमाधोपुर फोरलेन, सीवरेज

लाइन द्वितीय चरण, अमृत 2.0 योजना के तहत पेयजल आपूर्ति, दो प्रवेश द्वार और नेचर पार्क के शिलान्यास की घोषणा की। पीएमश्री राजकीय विद्यालय में बने बालिका छात्रावास का लोकार्पण भी किया। बारिश के कारण सभी योजनाओं के शिलान्यास व लोकार्पण पट्टिकाओं का उद्घाटन एक ही स्थान पर किया गया। मंत्री ने कहा कि विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने श्रीमाधोपुर को जल्द ही सेटेलाइट टाउन बनाने और एक और नेचर पार्क की घोषणा कर शहरवासियों को बड़ी सौगात दी।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर अल-फ़लाह ट्रस्ट द्वारा आयोजित ब्लड कैम्प में 140 यूनिट ब्लड एकत्रित

शब्बीर हुसैन

कोटा (रॉयल पत्रिका) । अल-फ़लाह एजुकेशनल एन्ड वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा हर साल की तरह इस साल भी ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर ब्लड कैम्प अयोजित किया गया जिसमें 140 यूनिट ब्लड एकत्रित किया गया। यह शिविर एमबीएस ब्लड बैंक एवं अपना ब्लड बैंक के सहयोग से आयोजित किया गया। शिविर संयोजक जाकिर रिज़वी, इमरान क़ुरैशी ने बताया कि अल-फ़लाह ट्रस्ट द्वारा पिछले कई सालों से जरूरतमन्द मरीज़ों की आवश्यकता पूरी करने हेतु ये कैम्प आयोजित किये जा रहे है, जिसमें महिला पुरूष सभी बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते है। कैम्प कन्वीनर समीर अंसारी, शानू भाटी ने बताया कि वर्तमान में डेंगू के मरीज़ों की संख्या लगातार बढ़ रही है, अधिकतर मरीज़ों की जरूरत के चलते ब्लड कैम्पों में खून की कमी आने लगती है, इसी समस्या के समाधान हेतु ईद मिलादुन्नबी जुलूस मार्ग में हजीरा दरगाह के पास ब्लड कैम्प आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शहर काजी ज़ुबैर अहमद साहब ने रक्तदाताओं को सम्मानित किया और उनकी हौंसला अफ़ज़ाई की। शहर काजी ने लोगो से जागरूकता की अपील करते हुए कहा कि खून ऐसी चीज़ है जो किसी फेक्ट्री में नहीं बनाया जा सकता, इसका निर्माण सिर्फ इंसान के शरीर मे ही होता है और रक्तदान करने से रक्तदाता को कोई नुकसान पहुँचता इसलिये सभी को जीवन मे एक बार जरूर रक्तदान करना चाहिए। रक्तदान शिविर में ऑल इंडिया सीरत कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना फजले हक़, पूर्व प्रधान नईमुद्दीन गुड्, कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष आमीन पठान, अल्पसंख्यक कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष आबिद कागज़ी, डॉ॰ अज़हर मिर्ज़ा, भाईजान एडवोकेट नवीद अशफ़ाक़ रजा, जरगाम अहमद, शेर खान अंसारी सहित कई समाजसेवी लोगो ने भी शिरकत कर रक्तदाताओं को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के सदस्य सलाम अंसारी, रियासत यली, सय्यद आमीन अली, मुजफ्फर राईन, मो॰ अज़हरुद्दीन, जोनी राईन, डॉ॰ अशफ़ाक़ अंसारी, वसीम खान, साबिर बख़्श, सनावर अंसारी, वसीम, हैदर अहमद आदि सदस्य मौजूद रहे।

दा बुद्धा सामाजिक एवं शैक्षिक संस्था द्वारा किया 50 शिक्षकों को सम्मानित

शिक्षक को समाज की रीढ़ एवं बच्चों का भविष्य निर्माता है- पूर्व विधायक शर्मा

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। शहर के मोरीजा रोड़ कागलिया हनुमान मंदिर परिसर में शुक्रवार को दा बुद्धा सामाजिक एवं शैक्षिक संस्था की ओर से शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि शिक्षक को समाज की रीढ़ एवं बच्चों का भविष्य निर्माता है। अध्यक्षता करते हुए संस्था के अध्यक्ष एडवोकेट जितेंद्र कुमार बुनकर ने कहा कि बच्चों के जीवन को सही दिशा देने का कार्य शिक्षक करते हैं। वे न केवल पुस्तकों का ज्ञान प्रदान करते हैं बल्कि अच्छे संस्कार, अनुशासन और चरित्र निर्माण की शिक्षा भी देते हैं। विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत बीईईओं सत्यनारायण बुनकर व पीसी बलाई ने भी अपने विचार व्यक्त किए। समारोह में संस्था द्वारा 50 शिक्षकों का पंचशील दुपट्टा पहनाकर, प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इससे पूर्व संस्था के पदाधिकारियों ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। मंच संचालन विनोद कुमार बुनकर व महेंद्र बॉयला ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान संस्था के उपाध्यक्ष श्याम सुन्दर वर्मा, मनीष बिदावत, महेश मोरदिया, रामचरण खारड़िया, हेतराम बबेरवाल, मुकेश रोजडा, डॉ. कैलाश चन्द बुनकर, चौथमल डुंडलोदिया, नरेश कुमार रोजड़ा, कैलाश चंद्र स्याऊ, शंकर लाल मुवानिया, कमल कुमार वर्मा, सुखाराम बुनकर, गोपाल चन्द डोई, उमराव परिहार सहित शिक्षक मौजूद थे।

महफिल-ए-दुरुदो सलाम

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित जामा मस्जिद खानका-ए-कादरिया में महफिल-ए-दुरुदो सलाम पन्द्रह सो सालाना जशने-ए-आमदे रसुल के मोके पर महफिल-ए-दुरुदो सलाम का प्रोग्राम रखा गया जिसमे शहर इमाम सैय्यद मोहम्द अनवार नदीम-उल कादरी ने देश में अमन-चैन व खुशहाली की दुआ की जिसमें मरकाजी मदरसा मदीना तुल उलूम के तलबाओ ने शिरकत की जिसमें सैय्यद हसन यासीर कादरी ने सलाम पेश किया प्रोग्राम मे मुफ्ती सिकन्दर, मोलाना मुजाहीर, रेहान मुस्तफा, सैय्यद गुलाम मुस्तफा कादरी, सैय्यद नईम अकरम, मुज्जफर हुसैन, आले हसन, आसीफ, शामिल रहे और सलातो- सलाम पढ़ा गया।

शिक्षक दिवस पर डॉ. आरती भदौरिया सम्मानित

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। 5 सितंबर 2025 को राजस्थान हॉस्पिटल एवं स्वयं सिद्धा साहित्यिक संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षक सम्मान समारोह में सम्मानित शिक्षाविद जगदीश रावत प्रबोध गोविलजी डॉ जयश्री शर्मा जी एवं ज्ञानवती सक्सेना स्वयं सिद्धा साहित्यिक संस्थान की संरक्षक डॉ कुसुम शर्मा की सम्मानित उपस्थिति में शिक्षक सम्मान डॉ आरती भदौरिया को प्रदान किया गया।

पैगम्बर हजरत मोहम्मद स.अ.व. के 1500 वे जन्मोत्सव पर पाली में "नबी की आमद मरहबा, आका की आमद मरहबा" सहित कई नारे गूंज उठे

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। ईद मिलादुन्नबी के जुलूस में सुबह से ही नाड़ी मोहल्ला में ट्रेक्टर, खुली जीप, बाइक पर सवार होकर मुस्लिमजन पहुचे। जहाँ सर्वप्रथम पाली के आइमा ए मसजिद एवं मुफ़्ती ज़ाकिर हुसैन नईमी (यू पी) ने अपने बयान तकरीर में तमाम आलम ए इंसानियत को ईद-ए-मिलादुन्नबी मुबारकबाद देते हुए कहा कि मोहम्मद साहब ने इंसानियत के लिये रहमत, हज़रत मुहम्मद (स.अ.व.) ने पूरी दुनिया में अमन,बराबरी और ग़रीबों की हिमायत का पैग़ाम दिया।औरतों को उनके हक़ दिलाये और बहुत सी सामाजिक बुराइयों को दूर करके एक मुकम्मल निज़ाम-ए-हयात अता किया। कार्यक्रम में ईद मिलादुन्नबी पर मोहल्लों में सजावट एवं विभिन्न झांकियों में प्रथम इंदिरा कॉलोनी तथा खरादियो की गली, द्वितीय बुसी गली एवं तृतीय स्थान अरान अली डायर नाड़ी मोहल्ला को, मोहल्ला सजावट में जंगीवाड़ा चौक प्रथम, द्वितीय सिपाहियों का बास, तृतीय छिपो का हेटला बास जाकिर हुसैन रोड़, मकान सजावट में अबरार हुसैन प्यारा चौक को अंजुमन सीरतुन्नबी के सदर हाजी मोहम्मद रफिक गौरी ने शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मनित किया। यह जानकारी देते हुए अंजुमन सीरतुन्नबी के प्रवक्ता आमीन अली रंगरेज़ ने बताया कि जुलूस नाड़ी मोहल्ला मिलाद चोक से रवाना होकर केरिया दरवाजा, बादशाह का झंडा, गजानन्द मार्ग, जंगीवाड़ा, नवलखा रोड, प्यारा चोक, रुई कटला, उदयपुरिया बाजार, सर्राफा बाजार, बादशाह झण्डा होते हुए पुनः नाड़ी मोहल्ला पहुंचकर सम्पन्न हुआ। रास्ते मे अंजुमन सीरतुन्नबी कमेटी के पदाधिकारियों एवं जुलूस का विभिन सामजिक संस्थाओं द्वारा जगह जगह पर एवं सर्राफा बाजार में हिन्द समुदाय के पाली अधिकमास परिक्रमा संघ द्वारा स्वागत किया गया। जुलूस की व्यवस्थाओं को लेकर कमेटी के सदर हाजी मोहम्मद रफ़ीक गौरी, मुस्लिम समाज सदर हकीम भाई, विधायक भीमराज भाटी, हाजी महबूब टी, सय्यद रमज़ान, सेकेट्री सईद अंसारी, पूर्व पार्षद आमीन अली रंगरेज़, इंसाफ सोलंकी, मेहबूब खिंवाड़ा, यूसुफ असरफी, शकील अहमद नागोरी, इस्माईल खान छिपा, फरीद खान छिपा, मकसूद चुड़ीगर, हसन भाटी, हाजी इसराइल खत्री, जावेद जिलानी सहित दर्जनों सदस्यो ने सहयोग दिया।

यूनानी चिकित्सा पद्धति से शरीर को कोई हानि नहीं- डॉ. नासिर हुसैन

-बोरखेड़ा में "सब्र" क्लिनिक का उद्घाटन

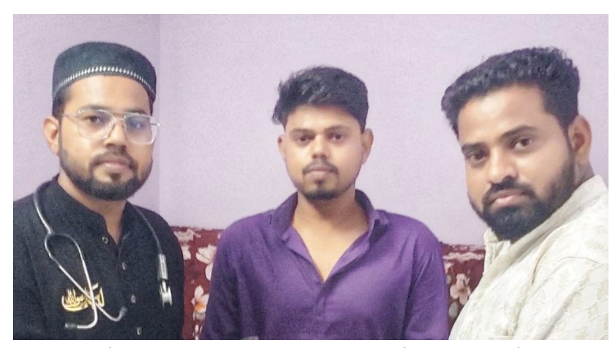

कोटा (रॉयल पत्रिका)। ग्रामीण पुलिस लाईन, बोरखेड़ा, कोटा में "सब्र" (धैर्य) क्लिनिक का उद्घाटन शुक्रवार 05 सितम्बर 2025 को किया गया। समारोह के विशेष अतिथि डॉ. नासिर हुसैन वरिष्ठ मेडिकल ऑफिसर (यूनानी) रहे। समारोह के मुख्य अतिथि वरिष्ठ मेडिकल ऑफिसर (यूनानी) डॉ. मोहम्मद शमीम खान, अतिथि डॉ. ज़ीनत अंसारी, डॉ. शकील अहमद एवं शौकत अली के हाथों फीता काटकर किया गया। सब्र क्लिनिक पर ऐसे मरीजों का इलाज किया जाएगा, जो यूनानी एवं आयुर्वेदिक पैथी में इलाज करवाना पसंद करते हैं। क्लिनिक का संचालन डॉ. राजिक हुसैन एवं राहिल हुसैन द्वारा किया जाएगा। वर्तमान में बड़ी संख्या में लोग यूनानी और आयुर्वेद पैथी में इलाज करवाना पसंद करते हैं। विशेषज्ञ बताते हैं कि यूनानी पैथी के इलाज के कोई साइड इफेक्ट्स नहीं होते हैं। यूनानी पैथी में इलाज से समय तो ज्यादा लगता है लेकिन बीमारी भी जड़ से खत्म हो जाती है। इस अवसर पर मुजीब खान, सोनू भाई, एजाज भाई, कामरान भाई, वसीम अंसारी सहित कई लोग शामिल हुए। उद्घाटन के मौके पर उपस्थित लोगों ने उम्मीद जताई कि यह क्लिनिक यूनानी चिकित्सा पद्धति को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और कोटा वासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेगा।

राष्ट्रपति अवार्ड समारोह में सिविल डिफेन्स के सोहन सिंह को मिला राष्ट्रपति अवार्ड

बारां (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला बारां के रोवर को 31 अगस्त 2025 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित होने वाले राष्ट्रपति अवार्ड रैली में राष्ट्रपति अवार्ड से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति अवार्ड सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि भारत के खेल एवं युवा मंत्री मनसुख मांडविया रहे। महामहिम राष्ट्रपति महोदया द्रौपदी मुर्मू द्वारा सोहन सिंह को राष्ट्रपति प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। समारोह से लौटने के पश्चात जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर एवं जिला पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी ने शुभकामनाएं दी।

शिक्षक दिवस पर प्रोफेसर प्रहलाद बुनकर सहित 11 शिक्षाविद् सम्मानित

जयपुर/चौमूं (रॉयल पत्रिका)। हिंदी प्रचार प्रसार संस्थान राजस्थान की ओर से शिक्षक दिवस पर शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित हुआ। समारोह की स्वागताध्यक्ष डॉ. ममता शर्मा ने बताया कि प्रांत में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय विशिष्ट योगदान करने वाले 11 शिक्षकों को सम्मानित किया। सम्मानित होने वाले शिक्षाविद प्रोफेसर प्रहलाद सहाय बुनकर (संस्कृत), प्रोफेसर मीरा सिंह (अंग्रेजी), प्रोफेसर हेतराम मीणा (लोक प्रशासन), प्रोफेसर रश्मि वशिष्ठ (राजनीति विज्ञान), प्रोफेसर सौरभ शर्मा (इतिहास), प्रोफेसर भावना शर्मा (राजनीति विज्ञान), प्रोफेसर किरण जैफ (भूगोल), डॉ. सौरभ पहाड़िया (अर्थशास्त्र), सपना यादव (अंग्रेजी) डॉ. दुर्गा गहन (हिंदी) का माला व शॉल पहनाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्रपति शिवाजी महाराज विश्वविद्यालय मुंबई के कुलाधिपति डॉ. केशव बढ़ाया ने संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक ही हमारे जीवन से अज्ञानता के अंधकार को दूर कर उसे ज्ञान के प्रकाश में करने का महान कार्य करते हैं। शिक्षक के बिना हमें नैतिकता, मूल्य, अनुशासन और ज्ञान की प्राप्ति नहीं हो सकती। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के अध्यक्ष डॉ. अखिल शुक्ला अधिवक्ता ने कहा कि सनातन संस्कृति में गुरु का सदैव सम्मान रहा है। गुरु ही हमें जीवन में सही पथ पर चलने की राह दिखाते हैं, हमें लक्ष्य प्राप्ति के लिए तैयार करते हैं। कार्यक्रम के अंत में संस्थान के कुल सचिव अविनाश शर्मा ने संस्थान का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया एवं आए हुए अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इनरव्हील क्लब बारां द्वारा 21 शिक्षकों का सम्मान

बारां (रॉयल पत्रिका)। इनरव्हील क्लब की अध्यक्ष नीतु गुप्ता के नेतृत्व में शुक्रवार 5 सितंबर को शिक्षा दिवस के अवसर पर भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 21 प्रतिभावान शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट योगदान और समाज में शिक्षा के क्षेत्र में किए गए अमूल्य कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत इनरव्हील प्रार्थना से हुई, जिसे अंजु मारू और प्रेरणा शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात शिक्षकों के सम्मान का क्रम प्रारंभ हुआ। नीतू गुप्ता ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि शिक्षक ही वह दीपक हैं जो अपने ज्ञान से अज्ञान के अंधकार को दूर करते हैं। शिक्षक केवल पढ़ाते ही नहीं, बल्कि अपने आचरण और संस्कारों से विद्यार्थियों को जीवन जीने की कला भी सिखाते हैं। समाज में उनका योगदान अनुपम है, क्योंकि वे हर विद्यार्थी में छुपी प्रतिभा को पहचानकर उसे उज्ज्वल भविष्य की दिशा में अग्रसर करते हैं सचिव सीमा सिंह ने बताया कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि सुधीर जी ने निभाई। सम्मानित शिक्षकों में विशेष रूप से योगेश गोतम, बच्चराज राजस्थानी, संजय सांखला, कोशल तिवारी, कोशल विजय, प्रमोद ठाकुर, सौरभ शर्मा, त्रिवेणी प्रसाद मीना, संतोष कुमार जैन, सुनील कुमार मीना, ऋचा वर्मा, प्रतिभा गुप्ता, आशा यादव, सुनील शर्मा, नरेश राठौड़, नवल किशोर नागर और सीमा सिंह के नाम प्रमुख रहे। इनके साथ अन्य शिक्षकों को भी मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया। उनके तिलक लगाकर माला पहना कर प्रमाण पत्र भी प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर क्लब की सचिव सीमा सिंह ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षक समाज के सच्चे मार्गदर्शक और राष्ट्र निर्माता हैं, उनके बिना समाज की कल्पना अधूरी है। कार्यक्रम का मंच संचालन बिंदु मारू द्वारा किया गया, जिनके कुशल संचालन ने समारोह को और भी प्रेरणादायी बना दिया। अंत में क्लब की सक्रिय सदस्याएँ चारु गुप्ता, सीमा अग्रवाल, मृदुला मारू, मंजू बंसल, ममता नागर आदि उपस्थित रही।

प्रभारी सचिव ने किया फसल खराबा और गिरदावरी कार्यों का निरीक्षण

बारां (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के निर्देशों की पालना में जिला प्रभारी सचिव टीकमचंद बोहरा ने शनिवार को अन्ता तहसील क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों का दौरा कर फसल खराबा एवं गिरदावरी कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने किसानों से रूबरू होकर खेतों में खड़ी फसलों की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिए। प्रभारी सचिव ने सबसे पहले पटवार मंडल पलायथा के पलायथा गाँव पहुंचकर वहां की फसलों का अवलोकन किया। उन्होंने खेतों में जाकर सोयाबीन एवं अन्य खरीफ फसलों की स्थिति देखी। किसानों ने बताया कि इस बार बारिश अनियमित होने से फसलें प्रभावित हुई हैं, जिससे उत्पादन में भारी कमी की संभावना है। इस पर प्रभारी सचिव ने आश्वस्त किया कि सरकार किसानों के साथ खड़ी है और उन्हें हर संभव राहत दी जाएगी।

इसके बाद प्रभारी सचिव बोहरा पटवार मंडल अमलसरा के गोपालपुरा ग्राम पहुंचे, जहां उन्होंने गिरदावरी कार्य की प्रगति देखी। उन्होंने संबंधित पटवारियों एवं राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि गिरदावरी कार्य पूरी पारदर्शिता और ईमानदारी से किया जाए ताकि वास्तविक हकदार किसानों को ही राहत और मुआवजा मिल सके।

कहना चाहिए मुख के आगे, चुगली करना ना चाहिए

-शास्त्रीय संगीत और भजनों पर थिरके श्रौता

बारां (रॉयल पत्रिका)। चार रंगों के मिलन से जिस प्रकार दुनिया सतरंगी हो जाती है उसी प्रकार सारेगामा के पदों पर शास्त्रीय संगीत, भजन और आधुनिक संगीत की ईमारत खड़ी होती है। यह साबित कर दिखाया डोल मेला रंगमंच पर शुक्रवार की रात्रि आयोजित राजेश गौतम एण्ड पार्टी के कलाकारों ने। जिनके शास्त्रीय संगीत और भजनों की प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। सर्वप्रथम सरस्वती वंदना के उपरान्त मंच पर उपस्थित राजेश गौतम एण्ड पार्टी के गाायक कलाकार राजेश गौतम ने गणेश वन्दना के साथ कार्यक्रम का आगाज किया। फिर एक के बाद एक भजनों की मधुर श्रृंखला नें दर्शकों को भक्ति भाव से सराबोर कर दिया। गज-गण, गजगण, गजानन गौरी के लाला..... की प्रस्तुति पर दर्शक नृत्य करने को मजबूर हो गये। भजनों के माध्यम से गायक कलाकार राजेश गौतम ने आमजन को आचरण सुधारने की नसीहत दी। उनका भजन "कहना चाहिए मुख के आगे, चुगली करना ना चाहिए." को दर्शकों ने मगन होकर सुना।

मटकी वादक ने रिझाया-

पूरे कार्यक्रम में आकर्षण का केन्द्र रहे मटकी वादक कैलाश नामदेव। उन्होने साधारण सी मटकी पर अपनी सधी हुई उंगलियों से सभी तालों का उपयोग कर भजनों में मधुर रस घोला। नामदेव ने बताया कि पुरातन युग में जब वाद्य यंत्र नही हुआ करते थे तब केवल बांसुरी, मटकी और दो पत्थरों के दम पर ही संगीत साधना की जाती थी। संगीत सम्राट तानसेन अपनी संगीत साधना इन्ही पर किया करते थे। अब इस बदलते युग में नये नये वाद्य यंत्र आ गये जिनका प्रयोग करना सरल है और यह पुरातन प्रथा लुप्त प्रायः हो गई। कार्यक्रम की शुरूआत में कलाकारों समेत मंच अतिथि शिवशंकर नागर, रघुवीर वैष्णव, प्रहलाद भाई, सत्यनारायण नागर, चन्द्रमोहन भाई, सुनील, रामनिवास गिर्राज, धमेन्द्र मेघवाल, अजय नागर, सिन्टु मेघवाल, अजय मेघवाल का उपसभापति नरेश गोयल, डोल मेलाध्यक्ष प्रतिनिधि पुरूषोत्तम नागर, प्रदीप विजयवर्गीय, लीलाधर नागर, प्रशान्त भारद्वाज, मयंक माथोड़िया, जितेन्द्र वर्मा आदि ने साफाबन्दी एवं माल्यापर्ण कर स्वागत किया और उन्हे स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किये।

इमाद यूथ फाउंडेशन द्वारा रक्तदान शिविर में 95 यूनिट रक्तदान

कोटा (रॉयल पत्रिका)। 1500 साला जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मौक़े पर रक्तदान शिविर का आयोजन इमाद यूथ फाउंडेशन द्वारा किया गया। कैम्प के संयोजक अमन ख़ान द्वारा बताया गया की ईद मिलादुन्नबी के मुबारक मौके जुलूस में आने वाले लोगो द्वारा रक्तदान में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया तथा थेलेसिमिया पीड़ित बच्चो, के लिए रक्त की पूर्ति हेतु रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। सह संयोजक साहिल ख़ान ने बताया कि एमबीएस ब्लड बैंक में रक्त की कमी को कैम्प द्वारा पूर्ण करने की कोशिश की गई। शिविर में पूर्व प्रधान नईमुद्दीन गुड्, महिला कांग्रेस की पूर्व प्रदेशाध्यक्ष राखी गौतम, खेल प्रकोष्ठ के अध्यक्ष आमीन पठान, अमित धारीवाल जी, उप महापौर सोनू कुरैशी, पार्षद सोनू अब्बासी, मोइजुद्दीन गुड्, ताहिर ख़ान, आमीन अली, अतीक अब्बासी, सद्दाम अब्बासी आदि ने मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचकर लोगो को संबोधित किया। इस दौरान संस्था के जावेद ख़ान आरिफ ख़ान, आसिफ़ अली, शोएब अंसारी, शादाब अंसारी, समीर अली, शान अख्तर, शोएब भाई(मर्जी), शोएब, राशिक, अली फ़राज़ आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

शिक्षक दिवस पर जिला कलक्टर पाली के मार्गदर्शन में रामसेतु की गिलहरी कार्यक्रम शुरू

पाली (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर एलएन मंत्री के मार्गदर्शन में त्रेता युग में रामसेतु निर्माण के समय एक नन्ही गिलहरी ने अपने प्रयास से राम का ध्यान आकृष्ट किया तथा सभी को एक अमर संदेश दिया कि जीतना मुश्किल भी कार्य हो पर हमें अपने सामर्थ्य के अनुसार अपना योगदान अवश्य देना चाहिए। जिस प्रकार से आज यूज एंड थ्रो अपसंस्कृति अत्यधिक विकराल रूप धारण कर रही है समय रहते नहीं सम्भले तो समय बहुत विकट होगा । आज हम सबको नहीं सुधार सकते लेकिन आत्म संयम द्वारा रामसेतु की गिलहरी के समान छोटे छोटे प्रयत्न कर अपना योगदान दे सकते है। जिला कलक्टर एलएन मंत्री ने बताया कि कोई भी नागरिक/लोकसेवक/संस्था स्वेच्छापूर्वक इस मुहिम में शामिल होकर स्वयम तथा अपने कार्यस्थल को यूज एंड थ्रो रूपी वस्तुओं एवं विचार को 51 दिन, 1 वर्ष अथवा आजीवन अवधि का संकल्प लेकर प्रकृति संरक्षण की दिशा में अपना योगदान दे सकता है। उन्होंने बताया कि दिवानदी विद्यालय के 11 कार्मिकों के साथ यह शुरू किया है प्रधानाचार्य तुलसी राम ने संकल्प लिया है कि जल्दी ही विद्यालय परिसर को यूज एंड थ्रो वस्तुओं एवं विचार से मुक्त करने का प्रयास किया जाएगा।

इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसायटी द्वारा पंजाब "बाढ़ पीड़ितों के लिए खाद्य सामग्री रवाना"

-हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिवस पर खाद्य सामग्री भेजी

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर पंजीकृत इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसाइटी के सौजन्य से अतिरिक्त जिला कलेक्टर अर्पिता सोनी द्वारा हरी झंडी दिखा कर, पंजाब के बाढ़ पीड़ितों के लिए जरूरी खाद्य सामग्री का एक ट्रक रवाना किया गया। ट्रक में तकरीबन 40 क्विंटल खाद्य सामग्री भेजी गई है, जिसमें दाल, चावल, आटा, चाय, चीनी, तेल, पाउडर दूध, मिर्च मसाला, साबुन, पानी की बॉटल्स, आदि जरूरी सामान है। इस अवसर पर, सोसाइटी के अध्यक्ष शौकत खान झारिया रि .एडिशनल कमिश्नर सेल्स टैक्स, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अयूब खान रिटायर्ड एडिशनल एसपी, महासचिव डॉ. एफ एच गोरी रि. पीएमओ, डॉ. मुमताज़ अली कुरैशी, डॉ. इकराम हुसैन, डॉ. गफ्फार अली, आरिफ खान प्रिन्सिपल, नजीर खान रि .प्रिन्सिपल, नूर मोहम्मद खान रि.आबकारी अधिकारी, कैप्टन जसवंत खान, मोहम्मद अली पठान, लायन आबिद खान, पुलिस विभाग के आर आई सतवीर सिंह, हबीब खान, एडवोकेट आबिद भलीम, सदिक़ ख़ान मास्टर जी, समीर ख़ान मुन्यान, अनीस ख़ान, सलीम खान दिलावर खानी, वसीम अली भाटी रशीद खान मोयल शिक्षा विद, हिदायत खान, रफीक कुरैशी, और अन्य इंटेलेक्चुअल आदि उपस्थित रहे। डॉ. गौरी ने बताया कि मानव मात्र की, मुसीबत में सेवा करने का इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसाइटी, चूरू का यह एक, छोटा सा प्रयास है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष अयूब खान ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर महोदया का, समय निकालने के लिए आभार व्यक्त किया डॉ इकराम हुसैन ने इस बात पर खुशी का इजहार किया की हमारे पैग़म्बर के जन्मदिन के अवसर पर यह इंसानी इमदाद जारी की गई है ।इस तरह के प्रयास किए जाने के लिए, अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने भी सोसाइटी की तारीफ की।

जुलूस-ए-मोहम्मदी ऐतिहासिक यादगार के साथ ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर सांप्रदायिक सौहार्द का पैगाम दिया

-1500 सो सालाना ज़श्न के साथ शहर के मुख्य मार्गो से निकला

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर पैगंबर इस्लाम के 15 सो सालों जन्मदिवस ईद मिलादुन्नबी पर अहले सुन्नत व जमात की ओर से वार्षिक जुलूस-ए-मोहम्मदी प्रातः10:00 बजे शहर इमाम सैय्यद मोहम्मद अनवार नदीम उल कादरी की अगुवाई में शहर के मुख्य मार्ग नई सड़क, स्टेशन रोड, धर्म स्तूप पुरानी सड़क से माल जी का कमरा से पुनः मदरसा मदीना पहुंचा इसी क्रम में जुलूस प्रारंभ से पूर्व एक जलसे का आयोजन हुआ जिसमें शहर इमाम सैय्यद मोहम्मद अनवार नदीम उल कादरी ने कहा कि पैगंबर इस्लाम पुरे आलम ए इंसानियत के लिए भेजे गए आपने सभी प्राणी मात्र से मोहब्बत का पैगाम दिया हमें उनके उपदेशों पर अमल करना चाहिए। राजस्थान पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ संबोधित करते हुए कहा कि पैगंबर साहब ने अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को भी गले से लगाया और मुख्यधारा से जोड़ा और जो बुराइयां थी उनको मिटाकर एक नई रोशनी जगाई हमे उनके आदर्शों को अपनाना चाहिए। जलसे को चूरु विधायक हरलाल सहारण, वरिष्ठ कांग्रेस नेता हाजी रफीक मंडलिया, प्रोफेसर डॉ. जेबी खान, भाजपा जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा, एडवोकेट शब्बीर, अजीज खान पार्षद, महाराष्ट्र हज कमेटी के सदस्य शकील काजी, सैयद गुलाम मुस्तफा, पूर्वचेयरमैन नगर परिषद गोविन्द महनसरीय,नारायण बालान, यूथ जिला अध्यक्ष आसिफ खान, सत्तार खान चायल,मोहम्मद अली पठान, आदि अनेक वक्ताओं ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन इदरीस राज खत्री ने किया। जुलूस ए मोहम्मदी ज्यों ही नई सड़क पर पहुंचा सामाजिक संस्थाओं व्यापारिक प्रतिष्ठानो, द्वारा स्वागत द्वार लगाकर पुष्प वर्षा कर गरम जोशी से स्वागत किया गया इसी क्रम में पुरे मार्ग पर शरबत, पानी मिठाइयां, फल आदि वितरित किए जुलूस में मदरसे के बच्चे पैगंबर साहब के संदेशों लिखी तख्तियां लेकर चल रहे थे युवा का जोश देखते ही बनता था धार्मिक ध्वज के साथ राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा बड़े सम्मान के साथ लेकर चल रहे थे धार्मिक घोष देखो हमारे नबी की शान, सबसे प्यारा वतन हमारा, नूर वाला आया है। से पूरा वातावरण गुंजायमान हो गया जुलूस ए मोहम्मदी में शहर भर के मदरसों के आलिमों ने भाग लिया। मदरसा सैयद तौकीर उलूम के तालिबे इल्म एवं आलीमो ने जुलूस में बड़ी ही अकीदत के साथ शिरकत की सदर हाजी उस्मान खान दिलावर खानी , शहर काजी हाजी अहमद अली शाह जुलूस में शामिल हुए। खानका ए कादरिया के पीठाधीश्वर सैय्यद अबरार हुसैन कादरी ने इस सफल आयोजन पर सभी सामाजिक संस्थाओं और प्रशासन को आम जनता को साधुवाद दिया शहर इमाम सैय्यद मोहम्मद अनवार नदीम उल कादरी ने मुल्क में अमन ओ शांति भाईचारे खुश हाली की दुआ की अंत में दुरूदो सलाम पढ़ा गया।

राजस्थान कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष ने ग्रामीण क्षेत्रों का किया दौरा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के ग्रामीण क्षेत्र के गांवों में छोटी सहनाली, सहनाली बड़ी मेघसर, का दौरा किया राजस्थान प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष ऱफ़ीक मंडेलिया से ग्रामीणों ने बरसात और फसल पर चर्चा की, वर्षा अधिक होने से होने वाले नुकसान से अवगत करवाते हुवे कहा, मूंग मोठ की फ़सल ख़राब होने पर,ह म मांग करते सरकार तुरन्त गिरदावरी करवाकर, उचित मुआवजा दिया जाए। रफ़ीक मंडेलिया ने ग्रामीणों को कहा आपकी भावनाओं को जिला प्रशासन के माध्यम से राज्य सरकार को पहुंचाएंगे। रफ़ीक मंडेलिया से गांव बाढ़की व घानघू से आए ग्रामीणों से भी मिले। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस सचिव रियाज़त खान देहात अध्यक्ष किशोर धांधू, शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, पूर्व सभापति गोविंद महानसरिया, किसान नेता आदुराम न्यौल, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान, युवा नेता हेमंत सिहाग, श्रवण बसेर, कैलाश बसेर,जयचंद मेघवाल, किसनाराम बबाल, पार्षद विमल शर्मा, योगेश ढाका, मनीराम कुलडिया, दीपचंद रामलाल, हुक्माराम जड़ियां,सुरेंद्र कुलड़िया, धर्मपाल व गांव बाढकी तेजा मंदिर कमेटी आदि थे।

अल्पसंख्यक समुदाय का रकमा द्वारा सम्मान समारोह रविवार को गोयनका टाउन हॉल में होगा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राज. अधिकारी कर्मचारी माइनोरिटी एसोसिएशन के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. कादिर हुसैन ने बताया कि रकमा संगठन की जिला इकाई चुरू द्वारा प्रथम प्रतिभा सम्मान समारोह रविवार को सुबह 10 बजे से शुरू होगा। जिसमें मुख्य अतिथि राजेन्द्र सिंह राठौड़ पुर्व नेता प्रति पक्ष राजस्थान विधानसभा और अध्यक्षता शहर इमाम सैयद मोहम्मद अनवार नदीमुल कादरी साहब करेंगे। इस प्रोग्राम में विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक हरलाल सहारण, हिदायत खान धोलिया पुर्व चैयरमेन राजस्थान मदरसा बोर्ड , अशफाक हुसैन आई ए एस सेवा निवृत्त, डॉ गुलाब नबी, डिप्टी रजिस्ट्रार राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी कोटा, खादिम हुसैन खत्री चैयरमेन केजीएन नर्सिंग कॉलेज एंड हॉस्पिटल सीकर, अतीक अहमद प्रदेश अध्यक्ष रकमा, हाजी अब्दुल हबीब अनवरी पुर्व जिला अध्यक्ष हज कमेटी चुरू आदि रहेंगे।रकमा के जिला अध्यक्ष मोहम्मद नियाज़ खान ने बताया कि इस जिला स्तरीय प्रथम प्रतिभा सम्मान समारोह में लगभग 550 प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा। सम्मान समारोह से पहले मदरसा छिम्पा समाज में आज जिला कार्यकारिणी की आवश्यक मिटिंग की गई जिसमें जिला संरक्षक असगर खान जोइया, रमजान खान नवांकुर स्कूल, असिस्टेंट प्रोफेसर शमशाद अली, डॉ अहसान गौरी, डॉ साजिद चौहान,अयुब खान वरिष्ठ विधी अधिकारी, अब्दुल मन्नान मजहर, मोहम्मद वसीम अली आदि रहें। सम्मान समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया।

जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह सम्पन्न

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। समग्र शिक्षा सभागार में शुक्रवार को जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन बड़े ही उत्साह और गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कृष्णा शर्मा ने की। कार्यक्रम में जिलेभर से आए शिक्षा अधिकारियों, चयनित शिक्षकगण तथा विशिष्ट अतिथियों ने भाग लिया। कार्यक्रम संयोजक एडीपीसी समग्र शिक्षा दिनेश कुमार गुप्ता ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि "शिक्षक ही राष्ट्र निर्माता होते हैं। उनकी मेहनत, समर्पण और मूल्यों की शिक्षा से ही समाज की सही दिशा तय होती है।" उन्होंने शिक्षकों के योगदान को अविस्मरणीय बताते हुए कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता तभी संभव है जब शिक्षक नवाचार और सेवा भाव से कार्य करें। सम्मान समारोह के दौरान मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कृष्णा शर्मा ने कहा कि शिक्षक समाज की धुरी हैं, जिन पर आने वाली पीढ़ियों का भविष्य टिका है। उन्होंने शिक्षकों से अपील की कि वे बच्चों में संस्कार, संवेदनशीलता और रचनात्मक सोच का विकास करें। जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक हरकेश लाल मीणा ने शिक्षकों के योगदान की सराहना की और कहा कि शिक्षक दिवस केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार प्रकट करने का अवसर है। विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका को समाज कभी नहीं भूल सकता। कार्यक्रम अधिकारी समग्र शिक्षा हेमराज मीना ने बताया कि प्राथमिक वर्ग में हरसहाय मीणा, अध्यापक महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, भगवतगढ़,उच्च प्राथमिक वर्ग में जितिन शर्मा, अध्यापक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बिंजारी,माध्यमिक वर्ग में शिप्रा शर्मा, व्याख्याता, पीएम राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, शहर, सवाई माधोपुर को प्रशस्ति पत्र, मोमेंटो एवं शॉल ओढ़ाकर जिला स्तरीय सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर सहायक निदेशक कालूराम बैरवा, एपीसी समग्र शिक्षा शशिकला बंशीवाल, राकेश कुमार मीणा, कार्यक्रम अधिकारी मुकेश कुमार कांवरिया, चंद्रमोहन शर्मा सहित अनेक शिक्षा अधिकारी एवं जिला एवं राज्य स्तर पर पूर्व में सम्मानित शिक्षकगण उपस्थित रहे।

डॉ. मधु मुकुल चतुर्वेदी राष्ट्रीय उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान से राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित

सवाईमाधोपुर (रॉयल पत्रिका)। वरिष्ठ भाजपा नेता, सेवा निवृत्त प्रोफेसर, साहित्यकार, समाजसेवी, पर्यावरणविद तथा राष्ट्रवादी विचारक डॉ. मधु मुकुल चतुर्वेदी को राष्ट्रीय उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान से राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। बृजलोक साहित्य कला संस्कृति अकादमी तथा विश्वशांति मानव सेवा समिति आगरा द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर डॉ. चतुर्वेदी को संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मुकेश कुमार ऋषि वर्मा तथा संस्थापक जय किशन सिंह एकलव्य द्वारा राष्ट्रीय उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान प्रदान कर सम्मानित किया गया। डॉ. चतुर्वेदी को यह सम्मान उनके द्वारा साहित्य साधना, शोध, शिक्षा तथा हिंदी भाषा विकास आदि के क्षेत्र में प्रेरक, रचनात्मक एवं उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रदान किया गया है। डॉ. मधु मुकुल चतुर्वेदी को संगठनात्मक कार्यों का एक लंबा अनुभव है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ तथा विविध सामाजिक संगठनों में वे पिछले पैंतीस वर्षों से निरंतर सक्रिय हैं। शैक्षणिक एवं सामाजिक क्षेत्र में वे अपनी एक विशिष्ट पहचान रखते हैं। वे एक श्रेष्ठ समीक्षक, कुशल वक्ता तथा कुशल मंच संचालक भी हैं। डॉ. चतुर्वेदी अनेक सामाजिक क्षेत्रों में निरंतर सक्रिय हैं।

यूनिवर्सल ह्यूमन राइट्स काउंसिल का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। मानवाधिकार संगठन यूनिवर्सल ह्मन राइट्स भारत सवाई माधोपुर टीम का बुधवार को रणथंभोर रोड़ स्थित एक होटल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार एवं आई एफ डब्ल्यू जे जिला अध्यक्ष राजेश शर्मा रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता पत्रकार राजेश गोयल ने की। इस अवसर पर प्रदेश संगठन सचिव कैलाश सिसोदिया ने संगठन के मुख्य उद्देश्यों के बारे में सभी सदस्यों को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यूनिवर्सल ह्मन राइट्स काउंसिल मानव अधिकार संरक्षण , पर्यावरण संरक्षण, एवं अपराध नियंत्रण के क्षेत्र में कार्य करता। संगठन की प्रदेश सचिव गीता जेलिया ने कहा कि मानव अधिकारों एवं कर्तव्यों के बारे में जानकारी देना संगठन का मुख्य उद्देश्य है। संगठन सामाजिक सरोकार बालिका शिक्षा को बड़ा बढ़ावा देने के लिए शिक्षण सामग्री गणवेश उपलब्ध करवाने का भी काम करता है। शपथ ग्रहण समारोह के मुख्य अतिथि, एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष तथा कार्यक्रम में उपस्थित सम्माननीय पत्रकारो ,वरिष्ठजनों का माला एव साफा बांध कर संविधान की उद्देशिका भेट कर सम्मान किया गया। नवनियुक्त संगठन के जिलाध्यक्ष डॉ. गणपत वर्मा महासचिव शुभम कुमार एवं उपाध्यक्ष अशोक कुमार दयाराम परमार एवं सदस्यों का मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष द्वारा माला एव साफा पहनाकर स्वागत किया। स्वागत के बाद में संगठन के सदस्यों को कार्यक्रम के अध्यक्ष राजेश गोयल ने शपथ दिलवाई। इस अवसर पर संगठन सचिव गीता जैलिया संगठन संरक्षक बंशीलाल का भी मुख्य अतिथि राजेश शर्मा ने स्वागत किया। इस अवसर पर पत्रकार पं़कज शुक्ला मुकेश जैन नरेंद्र शर्मा वतन फाउंडेशन प्रमुख हुसैन आर्मी, सुरज्ञान सिंह रामकिशन शेरावत इन्दरलाल दामोदर बौद्ध विनोद बैरवा सुनिल कुमार शुभम कुमार मनोज कुमार ने कार्यक्रम में भाग लिया कार्यक्रम के अंत में महासचिव शुभम कुमार ने आए हुए अतिथियों सम्माननीय जनों का हार्दिक आभार और धन्यवाद दिया और अन्त में सभी सम्माननीय जनों ने अल्पाहार कर कार्यक्रम का समापन किया।

स्थानीय इन्दिरा मेमोरियल पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर इंदिरा मेमोरियल स्कूल में शिक्षक दिवश मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि मुस्लिम राजपूत महासभा राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष अब्बास खान मोयल राणा, समाज सेवी मकसूद खान तंवर उर्फ बबलू, सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद अली पठान, मदरसा इन्दिरा मेमोरियल पब्लिक स्कूल सचिव हाजी युसूफ खान रूकनखानी थे कार्यक्रम में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पित किए गए संस्थान निदेशक अख्तर खान रूकनखानी द्वारा आर.पी.(सी. डबल्यू. एस.एन.) देवेंद्र कुमार व अजय कुमार विशेष अध्यापकों को प्रतिक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। संस्थान निदेशक खान ने बताया कि भारत में शिक्षक दिवस 5 सितंबर को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के सम्मान में मनाया जाता है। उन्होंने भारत के दुसरे राष्ट्रपति के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया और निशवार्थ भाव से समाज को आकार देने और भावी पीढ़ीयो का पोषण करने पर जोर दिया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुस्लिम राजपूत महासभा राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष अब्बास खान मोयल राणा ने कहा कि वे भारत के पहले उपराष्ट्रपति 1952 से 1962 और दूसरे राष्ट्रपति 1962 से 1967 भी रहे उनका मानना था कि शिक्षकों को देश के श्रेष्ठ दिमाग होना चाहिए और शिक्षा के महत्व पर जोर देना चाहिए प्रधानाध्यापिका सबीना बानो ने आए हुए अतिथियों का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में शिक्षा अनुदेशिका अल्लादेई, शिक्षा अनुदेशक असलम खान, शिक्षा अनुदेशक जान मोहम्मद, सदिक खान, जैनब खान, स्कूल के छात्र छात्राएं उपस्थित थे संचालन असलम खान ने किया।

अमीन पठान के पद ग्रहण समारोह में पहुंचे चूरू से एवं बधाई दी

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से पद ग्रहण समारोह जयपुर में आमीन पठान को खेल प्रकोष्ठ राजस्थान कांग्रेस कमेटी का प्रदेशाध्यक्ष बनने पर उनके निमंत्रण पर जयपुर पहुंच कर शपथ समारोह में शामिल हुए और बधाई दी। चूरू से पहुंचे जाकर भाई, साबिर मोहम्मद धीरवास बड़ा, चूरू फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष सकील दुर्रानी, सचिव सुरेंद्र सिंह मेड़तिया,दिनेश वर्मा, वसीम अंसारी, इद्रीश छींपा,हमीद रिसालदार ने मुलाकात कर बधाई दी।

घांघू की शारदा गुडेसर राज्य स्तरीय "शिक्षक गौरव सम्मान 2025" हेतु चयनित

चूरू (रॉयल पत्रिका)। मानव जन जागृति संस्थान द्वारा 05 सितम्बर, 2025 को शिक्षक दिवस के अवसर पर जयपुर में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह 2025 के लिए प्रदेश से चयनित 50 शिक्षकों में से चूरू जिले के घांघू की वरिष्ठ अध्यापिका शारदा गुडेसर का चयन किया गया है।शारदा वर्तमान में चूरू जिले के गौरीसर राउमावि में वरिष्ठ अध्यापिका के पद पर कार्यरत हैं। मानव जन जागृति संस्थान के प्रदेशाध्यक्ष सौदागर कांदेला ने जानकारी देते हुए बताया कि यह चयन शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के साथ-साथ सामाजिक क्षेत्र में किए गए अनुकरणीय योगदान को देखते हुए किया गया है। प्रदेश के विभिन्न जिलों से प्राप्त 635 आवेदनों में से 50 शिक्षकों का चयन कर उन्हें "शिक्षक गौरव सम्मान 2025" से अलंकृत किया जाएगा। यह सम्मान समारोह 05 सितम्बर 2025, शुक्रवार को चोमू (जयपुर) में भव्य रूप से आयोजित होगा।प्रदेशाध्यक्ष सौदागर कांदेला ने कहा कि चयनित शिक्षकों की यह उपलब्धि न केवल शिक्षा जगत के लिए गौरव का विषय है, बल्कि समाज और राष्ट्र को भी प्रेरणा देने वाली है।

नायक महासभा के जिला अध्यक्ष बने रामेश्वर प्रसाद नायक

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर अखिल भारतीय नायक महासभा के प्रदेश महासचिव बजरंग लाल नायक की अनुशंसा पर राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह परमार द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष सुंदरलाल धावरी जी से विचार विमर्श कर राजस्थान प्रदेश की कार्यकारिणी सूची जारी की गई सूची में चुरू जिले से वर्तमान जिलाध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद नायक राजस्थान नायक समाज संयुक्त समिति चूरू के जिलाध्यक्ष को जिले की जिम्मेदारी अखिल भारतीय नायक महासभा ने सौंपी है इससे पूर्व भी रामेश्वर प्रसाद नायक अखिल भारतीय नायक महासभा के जिला अध्यक्ष के पद पर रह चुके हैं नायक समाज के उत्थान, अनुसूचित जनजाति संवैधानिक अधिकार की लड़ाई एवं विकास व आर्थिक उत्थान व राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिए सदैव संघर्ष किया। जिले में नई कार्यकारिणी की घोषणा जल्द की जाएगी।

मिनी ट्रक और बस की भिड़ंत, दो युवकों की दर्दनाक मौत

टोंक (रॉयल पत्रिका)। टोंक-बनास पुलिया पर आज सुबह करीब 11 बजे मिनी ट्रक और बस में जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार दो युवकों की ट्रक के नीचे आने से मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज रफ्तार मिनी ट्रक और बस की टक्कर के दौरान पास से गुजर रहे दोनों युवक अपनी बाइक समेत ट्रक के नीचे आ गए। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया।

मेरा युवा भारत, चूरू द्वारा 30 सक्रिय युवा क्लबों को होगा खेल सामग्री का वितरण

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के विभाग मेरा युवा भारत (माय भारत), चूरू द्वारा केंद्र से संबद्ध युवा क्लबों को खेल मंत्रालय की ओर से वित्तीय वर्ष 2025-26 में खेल सामग्री वितरण कराने का निर्णय लिया है। लेखाकार महेश कुमार सैनी ने बताया कि चूरू जिले में 30 सक्रिय युवा क्लबों को यह खेल सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। इस पहल का मुख्य उदेश्य युवाओं का खेल भावना को प्रोत्साहित करना एवं उन्हें बेहतर अवसर प्रदान करना और शारीरिक व मानसिक विकास को बढ़ावा देना है । खेल सामग्री प्राप्त करने हेतु सम्बंधित युवा क्लबों को "माय भारत पोर्टल पर पंजीकृत होना आवश्यक है। "माय भारत" के कार्यक्रमों में 2024-25 में सक्रिय भागीदारी निभाने वालों को प्राथमिकता दी जाएगी। इच्छुक क्लब निर्धारित प्रारूप में आवेदन भरकर आगामी 07 दिनों में जिला कार्यालय मेरा युवा भारत (खेमका भवन,स्टेशन रोड,जिला पुस्तकालय के पास) में जमा करा सकते हैं।

अब आलिया भट्ट ने भी की खुलकर तारीफ

लोका: चैप्टर 1 की जबरदस्त सफलता

मलयालम फिल्म लोका- चैप्टर 1 इन दिनों खूब चर्चा में है। रिलीज के बाद से ही फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की है और साथ ही दर्शकों और समीक्षकों का दिल भी जीत लिया है। अब इस फिल्म की तारीफ का सिलसिला सिर्फ आम लोगों तक ही नहीं, बल्कि बॉलीवुड सेलेब्स तक पहुंच गया है। बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने भी लोका को लेकर अपना प्यार जाहिर किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म का पोस्टर साझा किया और लिखा, लोका पौराणिक कहानियों और रहस्य से भरी एक दमदार और ताजा फिल्म है। इसे मिल रहे प्यार को देखकर बहुत खुशी हो रही है। आलिया ने आगे कहा, मुझे हमेशा ऐसी खास और अलग किस्म की फिल्मों को सपोर्ट करने में खुशी मिलती है। उन्होंने अपने पोस्ट में फिल्म की पूरी टीम को बधाई दी और दर्शकों को बताया कि अब यह फिल्म हिंदी में भी उपलब्ध है। इससे पहले अभिनेता अक्षय कुमार भी फिल्म और खास तौर पर इसकी लीड एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शन की तारीफ कर चुके हैं। उन्होंने पोस्ट किया था, प्रतिभा तो परिवार में होती है। सुना था, अब देख भी लिया। प्रियदर्शन सर की बेटी कल्याणी प्रियदर्शन के शानदार अभिनय के बारे में बहुत अच्छी बातें सुनने को मिल रही हैं। उन्हें और लोका की पूरी टीम को उनके हिंदी वर्जन के रिलीज होने पर मेरी शुभकामनाएं।

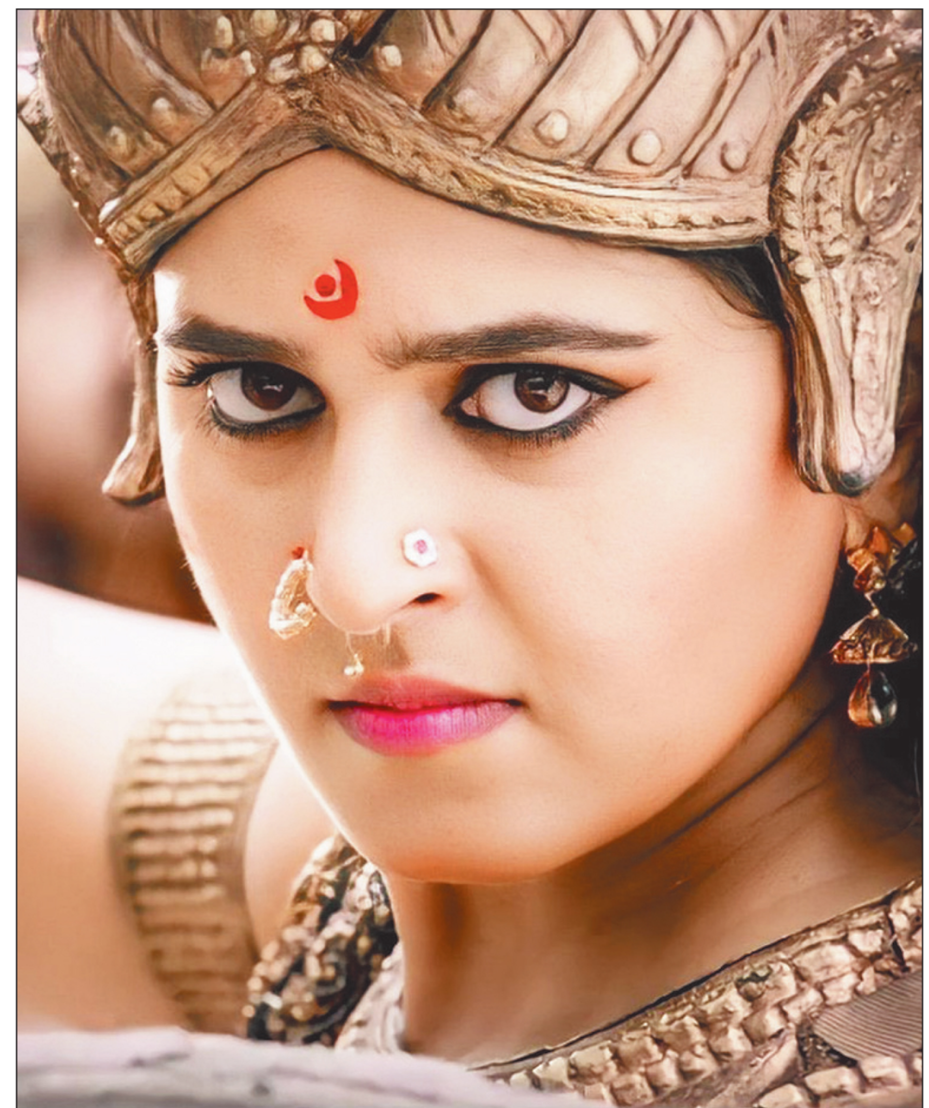

दिलजीत दोसांझ ने पंजाब के बाढ़ पीड़ितों से जताई संवेदना

पिछले कुछ दिनों से पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, और हिमाचल प्रदेश में बाढ़ ने अपना कहर बरपा रखा है। वहां पर नदियां उफान पर हैं। इसके चलते हजारों लोग विस्थापित होने को मजबूर हैं। हालांकि बाढ़ की वजह से पांजब के हालात ज्यादा खराब हैं और यहां स्थिति भयावह होती जा रही है। खासकर पंजाब में बाढ़ ने खूब तबाही मचाई है। तकरीबन पंजाब के सारे जिले बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। संकट की इस घड़ी में कुछ लोग आगे बढ़कर बाढ़ पीड़ितों की मदद कर रहे हैं। वहीं सोशल मीडिया के जरिये सेलेब्रिटी भी उनकी मदद करने की लगातार अपील कर रहे हैं। पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ ने भी एक वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लोगों से बड़ी संख्या में आगे आने और लोगों की मदद करने की अपील की है। इस वीडियो में दिलजीत कहते हैं, नमस्कार, आज मैं हिंदी भाषा में बात करूंगा ताकि सब तक पहुंच जाए। पंजाब के हालात बाढ़ की वजह से बहुत खराब हैं। लोगों के घर बह चुके हैं, फसलें तबाह हो चुकी हैं, पशु भी मारे गए हैं, और लोगों की जिंदगियां बर्बाद हो चुकी हैं। पंजाब जख्मी है, पर हारा नहीं है। हम पंजाब में जन्मे हैं और हमें पंजाब की गोद से ही विदा होना है। उन्होंने आगे लिखा, जितने भी पीड़ित परिवार हैं, हम सब उनसे कहना चाहते हैं कि हम उनके साथ हैं। ऐसा नहीं है कि राशन आदि देकर हम उनसे किनारा कर लेंगे। जब तक उनकी जिंदगी पटरी पर नहीं आ जाती, हम सब उनके साथ हैं। जितने भी लोकल एनजीओ और समाचार वाले हैं, वे बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। पंजाब के नौजवान भी आगे आकर लोगों की मदद कर रहे हैं। मैं उन सबका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं। मेरे बहुत से दोस्त हैं जो मदद करना चाहते हैं। हम मिलकर इस कठिन समय का सामना करेंगे। पंजाब कई बार मुसीबत में पड़ा है, हर बार वह बाहर निकल गया है। मैं परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि हम सब मिलकर इस संकट से जल्द से जल्द बाहर आ जाएं।

हिमाचल प्रदेश आपदा में फंसा रुबीना दिलैक का परिवार, एक्ट्रेस ने जताई चिंता

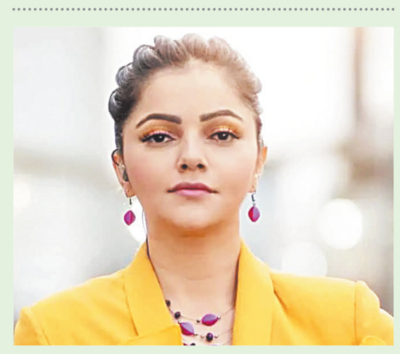

पिछले कुछ दिनों से पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और बाढ़ ने तबाही मचा रखी है। सड़कें बह गईं, पेड़ गिर गए और कई इलाकों में बिजली व नेटवर्क ठप हो गया। इस प्राकृतिक आपदा के बीच अभिनेत्री रुबीना दिलैक ने सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं साझा की हैं। रुबीना ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कहा, कई लोगों ने मुझसे पूछा कि मैं हिमाचल की स्थिति पर क्यों नहीं बोल रही हूं। वहां बारिश ने भारी नुकसान किया है। सड़कें टूट गईं, भूस्खलन हुए, पेड़ गिरे, और लाइट कनेक्शन चरमरा गए। उन्होंने आगे बताया कि उनके पास कहने को कुछ नहीं है, क्योंकि प्रकृति के सामने इंसान बेबस है। उनके परिवार के घर में भी तीन दिनों से बिजली और नेटवर्क नहीं है। रुबीना ने बताया कि शिमला में उनके फार्महाउस पर उनके माता-पिता, दादी और उनकी जुड़वां बेटियां रहती हैं। हालांकि उनका परिवार सुरक्षित है, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा। उन्होंने कहा, इस मुश्किल वक्त में हम सिर्फ प्रार्थना कर सकते हैं। घर बैठे चिंता तो होती है। रुबीना और उनके पति अभिनव शुक्ला पिछले दो हफ्तों से अपनी फ्लाइट रीशेड्यूल कर रहे हैं, लेकिन भूस्खलन और बाढ़ के कारण उन्हें मौका नहीं मिल रहा। रुबीना ने बताया कि 15 दिन पहले जब वह हिमाचल गई थीं, तो तीन दिन भूस्खलन की स्थिति में फंस गई थीं। उन्होंने सभी प्रभावित लोगों के लिए प्रार्थना की और कहा कि अगर सोशल मीडिया के जरिए मदद या फंड जुटाने की जरूरत पड़ी, तो वह हर संभव प्रयास करेंगी। अपने वीडियो के कैप्शन में रुबीना ने लिखा, मैं आपके साथ हूं। हिमाचल, पंजाब, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के परिवारों के लिए प्रार्थना करती हूं। बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए लगातार कई सेलेब्स आगे आ रहे हैं। इससे पहले सोनू सूद और अभिनेत्री हिमांशी खुराना भी पंजाब के गांवों में लोगों की मदद के लिए गई थीं। वहीं, अभिनेता सोनू सूद ने एक वीडियो शेयर करते हुए बताया था कि उन्होंने पीड़ितों की मदद के लिए राहत सामग्री भेजना शुरू कर दी है।

घाटी से अनुष्का शेट्टी की वापसी

प्रभास ने कहा, देखने के लिए बेताब हूं स्वीटी

साउथ की मशहूर एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौट रही हैं। वह इन दिनों अपनी नई फिल्म घाटी को लेकर चर्चाओं में हैं। यह फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। रिलीज से एक दिन पहले सुपरस्टार प्रभास ने अनुष्का को खास शुभकामनाएं दी। प्रभास ने अपने इंस्टाग्राम पर एक प्यारी सी स्टोरी पोस्ट की है, जिसमें उन्होंने घाटी का ट्रेलर लिंक भी अपलोड किया है और अनुष्का को बड़े ही अपनेपन से स्वीटी कहकर शुभकामनाएं दी हैं। प्रभास ने लिखा है, घाटी का ट्रेलर बहुत ही दमदार लग रहा है।

स्वीटी, मैं तो आपको इस ताकतवर रोल में देखने के लिए बहुत उत्साहित हूं। पूरी टीम को मेरी तरफ से ढेर सारी शुभकामनाएं! फिल्म में अनुष्का को एक्शन अवतार में देखा जाएगा। प्रभास और अनुष्का की दोस्ती किसी से छिपी नहीं है। दोनों ने ब्लॉकबस्टर फिल्म बाहुबली में एक साथ काम किया था। अनुष्का शेट्टी इस फिल्म से करीब दो साल बाद वापसी कर रही हैं। पिछली बार वह 2023 की फिल्म मिस शेट्टी मिस्टर पोलिशेट्टी में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने हल्का-फुल्का किरदार निभाया था।

घाटी में उनका अंदाज एकदम अलग है। फिल्म की कहानी में अनुष्का एक ऐसी महिला का किरदार निभा रही हैं, जो नशे के कारोबार में उलझ जाती है और हर कदम उसके लिए खतरा बन जाता है। इसमें अपराध की दुनिया के साथ-साथ संघर्ष, हिम्मत और जीने की जद्दोजहद को भी दिखाया गया है। फिल्म का निर्देशन कृष जगरलामुदी ने किया है।

यह जगरलामुदी के साथ अनुष्का की दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों ने हिट फिल्म वेदम में साथ काम किया था। इस फिल्म में अनुष्का शेट्टी के अलावा, विक्रम प्रभु भी लीड रोल में हैं। पहले यह फिल्म 11 जुलाई को सिनेमाघरों में शेड्यूल हुई थी, लेकिन काम पूरा नहीं हो पाया, जिसके चलते मेकर्स को डेट आगे बढ़ानी पड़ी।

हर दिन मुस्कुराने की वजह ढूंढे

जेनेलिया के लुक ने जीता फैंस का दिल

एक्ट्रेस जेनेलिया डिसूजा अपनी मासूमियत और सादगी से लोगों के दिलों में खास जगह बनाए रखती हैं। फिल्मों के अलावा, वह अक्सर अपने फैंस से जुड़ने के लिए सोशल मीडिया पर कुछ न कुछ खास पोस्ट करती रहती हैं। गुरुवार को उन्होंने इंस्टाग्राम

अकाउंट पर कुछ खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। तस्वीरों में जेनेलिया का अंदाज किसी राजकुमारी से कम नहीं लग रहा। उन्होंने डार्क ब्राउन कलर का लहंगा पहना हुआ है, जिसमें गोल्डन कलर की स्ट्राइप्स हैं। इस आउटफिट की खास बात उसका दुपट्टा है, जो लाइट बेज कलर का फ्लोरल प्रिंटेड है। इसमें ब्लू, रेड और ग्रीन कलर के फूलों के डिजाइन हैं। जेनेलिया ने इस लुक के साथ ट्रेडिशनल गहनों को बेहद खूबसूरती से कैरी किया हुआ है। उनके गले में कुंदन चोकर हार है, कानों में भारी झुमके हैं, और हाथों में कंगनों की भरमार है। बालों को उन्होंने हल्का कर्ल कर करके पीछे की ओर बांधा हुआ है, और उसमें सफेद फूलों का एक छोटा सा गजरा है, जो उनके पूरे लुक में चार चांद लगा रहा है। पहली तस्वीर में जेनेलिया नीचे बैठी हैं, उनकी नजरें झुकी हुई हैं और चेहरे पर हल्की मुस्कान है। तस्वीर देखकर ऐसा लग रहा है, मानो वो किसी सुनहरे ख्यालों में डूबी हुई हों। दूसरी तस्वीर क्लोजअप क्लिक है। इसमें वह पलके नीचे झुकाते हुए कैमरे के लिए पोज दे रही हैं। तीसरी तस्वीर में वह खड़ी हैं और कहीं और देख रही हैं। इन तस्वीरों को पोस्ट करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, हर दिन मुस्कुराने की वजह ढूंढे। जेनेलिया के इस पोस्ट पर फैंस के कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। लोग उनके लुक के साथ-साथ आउटफिट की भी जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, आपकी स्माइल ही तो हमारी मुस्कान की वजह है। दूसरे फैन ने लिखा, आपकी खूबसूरती की बात ही अलग है।

पिंक टॉप में राशि खन्ना का स्टाइलिश लुक

मिरर सेल्फी में दिखा खूबसूरत अंदाज

साउथ सिनेमा की चर्चित अभिनेत्री राशि खन्ना सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। बुधवार को उन्होंने कुछ तस्वीरें पोस्ट की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर मिरर सेल्फी लेते हुए तस्वीरें साझा की, जिसमें वह वैनिटी वैन में बैठकर मेकअप करवाती नजर आ रही हैं। उन्होंने गुलाबी रंग का स्टाइलिश टॉप पहना हुआ है, जो उनकी खूबसूरती को और निखार रहा है। तस्वीरों में उनकी मुस्कान और आत्मविश्वास साफ झलक रहा है। इन तस्वीरों के साथ राशि ने एक मजेदार कैप्शन भी लिखा, हर अच्छी तस्वीर के पीछे होती है उलझन, ढेर सारी चाय और बिल्कुल भी सब्र नहीं। राशि का यह वीडियो प्रशंसकों को काफी पसंद आ रहा है और वो उनके कमेंट सेक्शन में कई तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, आखिरी स्लाइड वाली स्माइल मेरे मन से निकल रही है, दूसरे यूजर ने लिखा, आप बहुत प्यारी लग रही हैं, और एक और अन्य यूजर ने लिखा, हर परफेक्ट फोटो के पीछे थोड़ी झंझट और ढेर सारी कॉफी होती है! लेकिन फाइनल फोटो जब मिलती है, तो सारी मेहनत सफल लगती है।

मुगल सम्राट औरंगजेब पर फिल्म बनाने वाले थे करण जौहर, इस वजह से बंद करना पड़ा काम

करण जौहर ने हाल ही में खुलासा किया है कि वह एक ऐतिहासिक फिल्म बनाने वाले थे। हालांकि यह फिल्म कई वजहों से नहीं बन सकी। निर्देशक ने इसके बारे में बात की है। आज फिल्म मिराई- सुपर योद्धा के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर उन्होंने अब बंद हो चुकी फिल्म तख्त के बारे में बात करते हुए कहा कि वह अब भी ऐतिहासिक फिल्म बनाना चाहते हैं। करण जौहर ने कहा कि उन्होंने इस फिल्म पर दो साल से ज्यादा वक्त बिताया और जब यह बंद हो गई है तो उन्हें बहुत दुख हुआ।

ऐतिहासिक फिल्म बनाने वाले थे करण जौहर

करण जौहर ने मीडिया से कहा मैं एक ऐतिहासिक फीचर फिल्म (तख्त) बनाने वाला था। फिर महामारी समेत कई वजहों से उस पर रोक लग गई। मैंने उस फिल्म पर ढाई साल तक रिसर्च किया और फिर उसे लिखा। यह बहुत दुखद था कि मैं उसे वक्त पर नहीं बना सका। हर फिल्म का अपना समय और भाग्य होता है। इसलिए उम्मीद है कि मैं उस तरह की कोई फिल्म बनाउंगा।

हरनाज संधू ने साझा किया अनुभव, कहा- 'मरजाना' करना आसान नहीं था

बॉलीवुड एक्ट्रेस हरनाज संधू बहुत जल्द फिल्म बागी-4 में टाइगर श्रॉफ के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखाई देंगी। इस फिल्म में वो अलीशा की भूमिका निभा रही हैं। इस फिल्म से अभिनेत्री हरनाज संधू का लेटेस्ट गाना मरजाना हाल ही में रिलीज हुआ था। इसके बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि इसकी शूटिंग बहुत ही चुनौतीपूर्ण थी। यह गाना करना उनके लिए बहुत मुश्किल था क्योंकि इस गाने में उन्हें अपनी आंखों से बात करनी थी। गाने में फिल्म के एक्टर टाइगर श्रॉफ अपनी प्रेमिका की कब्र पर रोते दिख रहे हैं। इसके बाद वो अलीशा (हरनाज) की यादों में खो जाते हैं। हरनाज को इस गाने में कभी लाल गाउन में या कभी सफेद गाउन में डांस करते देखा जा सकता है। इसमें वह अपने डांस और परफॉर्मेंस से सबको मंत्रमुग्ध करती दिखाई दे रही हैं। उन्होंने गाने में गहरी भावनाओं और संवेदनशीलता का तड़का लगाया है। इस गाने पर काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए हरनाज ने कहा, मरजाना की शूटिंग मेरे अब तक के सबसे भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण अनुभवों में से एक थी। बागी 4 के अन्य गानों के उलट यह गाना नृत्य या ग्लैमर के बारे में नहीं था, बल्कि स्थिरता, मौन और आंखों में दर्द को व्यक्त करने के बारे में था। उन्होंने आगे कहा, इसमें सीखने और समझने के लिए बहुत कुछ था क्योंकि मैं अलीशा को एक याद के रूप में दिखा रही थी। यह अनुभव करना रोमांचक है कि जीवन के कठिन क्षणों को चित्रित करते हुए सिनेमा कितना शक्तिशाली हो सकता है। मरजाना ने मुझे अपनी भावनाओं को व्यक्त करने की जगह दी, और मुझे उम्मीद है कि यह ईमानदारी दर्शकों से उसी तरह जुड़ेगी जैसे शूटिंग के दौरान मुझसे जुड़ी थी। इससे पहले बागी 4 के गाने गुजारा में अपनी मासूमियत से उन्होंने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और बाली सोहनी में अपने डांस से फैंस का दिल जीता। वो एक मल्टीटैलेंटेड एक्ट्रेस हैं, जो इस फिल्म में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाती दिखाई देंगी।

साभार एजेंसी

यूएस ओपनः

पेगुला को हराकर विमेंस सिंगल्स के फाइनल में सबालेंका

न्यूयॉर्क, एजेंसी। यूएस ओपन की मौजूदा चैंपियन आर्यना सबालेंका ने विमेंस सिंगल्स के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना ने सेमीफाइनल में चौथी वरीय जेसिका पेगुला को 4-6, 6-3, 6-4 से शिकस्त दी। रोमांचक तीन सेटों वाले मुकाबले की शुरुआत में जेसिका पेगुला ने पूरा फायदा उठाया। उन्होंने बेहद सटीक तथा संयमित पहला सेट खेला, जिससे सबालेंका लगातार असंतुलित रहीं। उन्होंने सिर्फ तीन अनफोर्स्ड एरर किए और रिटर्न पर आक्रामक बनी रहीं।

27 वर्षीय सबालेंका दूसरे सेट में पहले बढ़त लेने में कामयाब रहीं। उन्होंने शुरुआत में 3-0 की बढ़त बनाई और अंततः मैच को निर्णायक सेट तक ले गईं। तीसरे सेट की शुरुआत में 30-40 पर सर्व करते हुए पेगुला ने फोरहैंड बाउंड्री लाइन से बाहर भेज दिया और खुद मुश्किल में पड़ गईं। अमेरिकी खिलाड़ी ने सबालेंका की सर्विस पर दबाव बनाना जारी रखा। छठा गेम करीब नौ मिनट तक चला, लेकिन 30 वर्षीय पेगुला सात में से केवल दो ब्रेक के मौकों को ही भुना पाईं। 5-4, 40-30 के स्कोर पर मैच के लिए सर्विस करते हुए, सबालेंका ने एक सामान्य ओवरहेड शॉट नेट में मारा। पेगुला ने एक और मैच प्वाइंट बचाया, लेकिन तीसरा प्वाइंट नहीं बचा पाईं। इसी के साथ वह दो घंटे पांच मिनट तक चले मुकाबले को गंवा बैठीं। यह सबालेंका का लगातार पांचवां यूएस ओपन सेमीफाइनल था। उनसे पहले न्यूयॉर्क में लगातार पांच सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली पिछली खिलाड़ी सेरेना विलियम्स थीं। इस अमेरिकी खिलाड़ी ने साल 2011-2016 के बीच यह कारनामा किया। सबालेंका अपना सातवां ग्रैंड स्लैम फाइनल खेलने जा रही हैं। यह पिछले पांच मेजर्स में उनका चौथा और न्यूयॉर्क में लगातार तीसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल है। वह अपने यूएस ओपन खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने से केवल एक जीत दूर हैं। अमांडा अनीसिमोवा और नाओमी ओसाका के बीच होने वाले सेमीफाइनल की विजेता का इंतजार करते हुए, सबालेंका लगातार दो यूएस ओपन महिला एकल खिताब जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनने की कोशिश करेंगी। इससे पहले यह उपलब्धि सेरेना विलियम्स ने हासिल की थी, जिन्होंने 2012 से 2014 के बीच तीन बार लगातार खिताब जीता। सबालेंका इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन और रोलां गैरो के फाइनल में और विंबलडन सेमीफाइनल में चूक गई थीं।

यूएस ओपन 2025: एक दशक बाद यूएस ओपन देखने पहुंचेंगे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

न्यूयॉर्क, एजेंसी। 2015 में एक क्वार्टरफाइनल मैच के दौरान दर्शकों की हूटिंग के बाद से उन्होंने टूर्नामेंट का रुख नहीं किया। अब एक दशक के बाद वह इस ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट का फाइनल देखने पहुंचेंगे। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रविवार को यूएस ओपन पुरुष एकल फाइनल में शिरकत करेंगे। व्हाइट हाउस ने गुरुवार देर रात इस यात्रा की आधिकारिक पुष्टि की।

ट्रंप रविवार दोपहर क्वीन्स, न्यूयॉर्क जाएंगे और मैच खत्म होते ही वॉशिंगटन लौट आएंगे। यह मुकाबला दोपहर दो बजे शुरू होगा। इस साल फाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ियों का फैसला सेमीफाइनल मैचों के बाद होगा, जिसमें शीर्ष वरीयता प्राप्त यानिक सिनर, फेलिक्स औगर-अलियासिम, नोवाक जोकोविच और कार्लोस अल्काराज शामिल हैं। ट्रंप लंबे समय तक न्यूयॉर्क क्षेत्र के रियल एस्टेट कारोबारी और बाद में रियलिटी टीवी स्टार के रूप में यूएस ओपन के स्थायी दर्शक रहे। वह अक्सर आर्थर ऐश स्टेडियम की बालकनी में दिखते थे और कैमरों पर भी बार-बार नजर आते थे।

हाय रे किस्मत! दोहरे शतक से 3 रन दूर था बल्लेबाज, फिर बीच मैदान हुआ ये हादसा

नई दिल्ली, एजेंसी। दलीप ट्रॉफी 2025 के पहले सेमीफाइल में साउथ जोन और नॉर्थ जोन की टीमों का आमना-सामना हो रहा है. दोनों टीमों के बीच ये मैच बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड 1 में खेला जा रहा है. इस मैच में साउथ जोन के लिए खेल रहे तमिलनाडु के विकेटकीपर बल्लेबाज नारायण जगदीशन ने एक यादगार पारी खेली. लेकिन वह दोहरा शतक बनाने से चूक गए. वह 200 रन का आंकड़ा छूने से सिर्फ 3 रन दूर रहे . नॉर्थ जोन ने मुकाबले की शुरुआत में टॉस जीतकर साउथ जोन को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया. साउथ जोन की ओर से पारी की शुरुआत करने उतरे नारायण जगदीशन ने जमकर रन बनाए. जगदीशन ने खेल के पहले दिन 184 गेंदों का सामना करते हुए अपना शतक पूरा किया. उन्होंने काफी संभलकर बल्लेबाजी की और खेल के दूसरे दिन भी क्रीज पर जम गए. उन्होंने 159 रन का आंकड़ा छूने के लिए 262 गेंदे लीं. लेकिन 197 रन के स्कोर पर पहुंचने के बाद उन्हें एक गलती भारी पड़ गई. दरअसल, वह रन आउट होकर अपना विकेट गंवा बैठे. नारायण जगदीशन ने इस पारी में कुल 352 गेंदों का सामना किया और 197 रन बनाए. उनकी इस पारी में 16 चौके और 2 छक्के शामिल रहे. ऐसे में वह आउट होने के बाद काफी निराश नजर आए. उनके पास दोहरा शतक पूरा करने का एक बड़ा मौका था. बता दें, नारायण जगदीशन को हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट सीरीज के आखिरी मैच के लिए टीम इंडिया में शामिल किया गया था. वह ऋषभ पंत की जगह टीम में आए थे, लेकिन डेब्यू नहीं कर सके थे.

दो दिन में दूसरी बार हुआ ऐसा

दलीप ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइल मैचों में लगातार दूसरे दिन ऐसा हुआ है जब कोई बल्लेबाज दोहरे शतक से चूका है. नारायण जगदीशन से पहले ऋतुराज गायकवाड़ भी दोहरा शतक पूरा करने से 16 रन दूर रह गए थे. वेस्ट जोन के बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ ने सेंट्रल जोन के खिलाफ पहली पारी में 206 गेंदों का सामना करते हुए 184 रन बनाए. जिसमें 25 चौके और 1 छक्का शामिल रहा.

इसे मैं बड़े सम्मान की तरह देखता हूं, डेवाल्ड ब्रेविस ने डिविलियर्स से तुलना पर की बात

जोहान्सबर्ग (दक्षिण अफ्रीका) एजेंसी। प्यार से बेबी एबी कहे जाने वाले दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस का कहना है कि एबी डिविलियर्स से

तुलना होना उनके लिए हमेशा से एक विशेषाधिकार रहा है, बोझ नहीं। इस साल टी20 में ब्रेविस शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने 30 पारियों में 43.26 की औसत और 186.32 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट से अब तक 995 रन बनाए हैं जिसमें 6 अर्धशतक और एक शतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 125* रहा है। ब्रेविस ने डिविलियर्स के यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा, (अंडर-19 विश्व कप 2022) यहीं जब मैंने भारत के खिलाफ 50 रन बनाए थे, तो मेरे एक दोस्त ने एक छोटा सा बोर्ड पकड़ा हुआ था जिस पर बेबी एबी लिखा था। तब से मैं लोगों को बताता आ रहा हूं कि यह कभी बोझ नहीं रहा और न ही मैंने कभी दबाव महसूस किया, क्योंकि मेरे लिए यह सबसे खास चीजों में से एक था।

महिला क्रिकेट विश्व कप 2025

श्रेया घोषाल उद्घाटन समारोह में प्रस्तुति देंगी

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड की लोकप्रिय गायिका श्रेयस घोषाल आईसीसी महिला वनडे विश्व कप 2025 के उद्घाटन समारोह में प्रस्तुति देंगी। आईसीसी की तरफ से गुरुवार को ये जानकारी दी गई। विश्व कप भारत और श्रीलंका की मेजबानी में खेला जाना है। श्रेया घोषाल भारत और श्रीलंका के बीच टूर्नामेंट के पहले मैच से पहले गुवाहाटी में होने वाले भव्य उद्घाटन समारोह में प्रस्तुति देंगी। घोषाल ने टूर्नामेंट का आधिकारिक गीत ब्रिंग इट होम भी रिकॉर्ड किया है। विश्व कप की शुरुआत 30 सितंबर को भारत और श्रीलंका के बीच गुवाहाटी में खेले जाने वाले मैच से होगी।

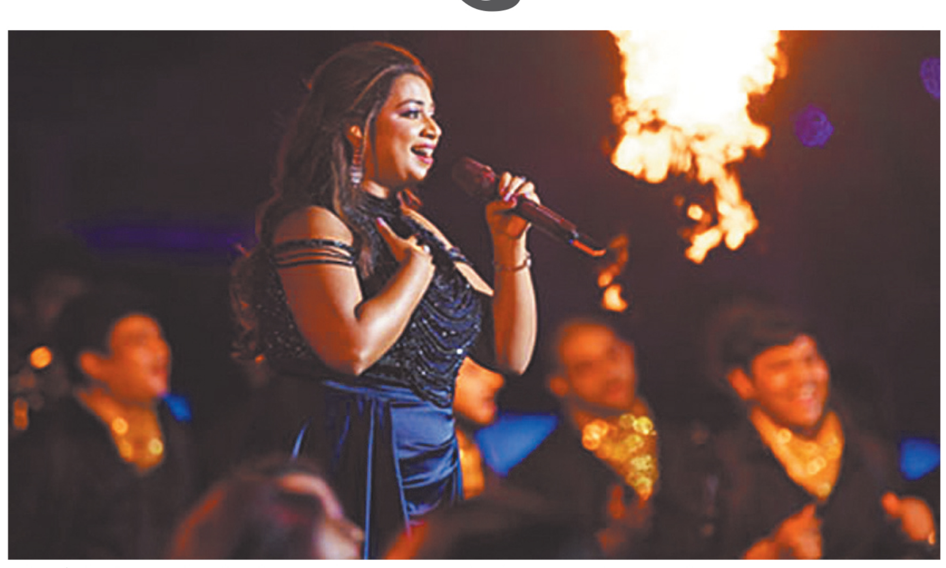

आईसीसी ने इस मेगा इवेंट के लिए टिकटों की जानकारी और मुख्य मनोरंजन योजनाओं का खुलासा किया है। इस साल का संस्करण सुलभता के मामले में एक नया मानक स्थापित करेगा, क्योंकि किसी भी आईसीसी वैश्विक आयोजन के लिए कीमतें रिकॉर्ड-कम होंगी। भारत में सभी लीग मैचों के टिकटों की कीमत पहले चरण में केवल 100 रुपये है। आईसीसी ने गुरुवार को घोषणा की कि प्रशंसकों के अनुकूल मूल्य निर्धारण का उद्देश्य खचाखच भरे स्टेडियम और उत्साही भीड़ सुनिश्चित करना है क्योंकि महिला क्रिकेट वैश्विक स्तर पर लगातार बढ़ रहा है। गूगल पे प्रशंसकों के लिए विशेष प्री-सेल टिकट एक्सेस के साथ प्रशंसकों को एक्शन के रोमांच का अनुभव कराएगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि टिकटों की बिक्री (गुरुवार, 4 सितंबर) भारतीय समयानुसार 19ः00 शुरू होगी, जिसमें टिकेट्स डॉट क्रिकेटवर्ल्डकप डॉट कॉम के माध्यम से गूगल पे उपयोगकर्ताओं के लिए चार दिवसीय विशेष प्री-सेल विंडो सोमवार (8 सितंबर) भारतीय समयानुसार 19ः00 तक चलेगी।

महिला विश्व कप 30 सितंबर से 2 नवंबर तक खेला जाएगा। इसमें 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं। विश्व कप भारत के चार शहरों और श्रीलंका के कोलंबो में खेला जाएगा। भारत में मैच गुवाहाटी, इंदौर, विशाखापत्तनम और मुंबई में खेला जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका के मैथ्यू ब्रीट्जके ने रचा इतिहास

वनडे क्रिकेट में तोड़े दो बड़े वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के 26 वर्षीय बल्लेबाज मैथ्यू बीट्जके ने लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के दूसरे वनडे मैच के दौरान दो अनोखे वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किए। बीट्जके वनडे क्रिकेट इतिहास में अपने शुरुआती पांच मैच की पांच पारी में 50 या उससे ज्यादा स्कोर करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने। साथ ही बीट्जके ने वनडे क्रिकेट इतिहास में पांच मैचों की पांच पारियों में सबसे ज्यादा रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। बीट्जके ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के दूसरे वनडे में 77 गेंद में 85 रन की पारी खेली। बीट्जके ने अपनी पारी में 7 चौके और तीन छक्के जड़े। जोफ्रा आर्चर ने उन्हें शतक पूरा करने से रोक दिया। भले ही बीट्जके लॉर्ड्स में शतक पूरा नहीं कर सके लेकिन अपनी 85 रन की पारी के साथ वो वनडे क्रिकेट इतिहास में पांच वनडे मैच की पांचों पारियों में 50 या उससे ज्यादा स्कोर करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए। इससे पहले वनडे क्रिकेट में कोई भी बल्लेबाज पांच वनडे मैच की पांचों पारियों में 50 नहीं कर पाया। साथ ही बीट्जके ने वनडे क्रिकेट में पहली पांच पारियों में सबसे ज्यादा रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। उन्होंने अबतक खेले पांच वनडे मैच की पांच पारी में 463 रन बनाए हैं जो नया वर्ल्ड रिकॉर्ड है। इस मामले में उन्होंने न्यूजीलैंड के टॉम कूपर का रिकॉर्ड तोड़ा। कूपर ने वनडे क्रिकेट में अपनी पहली पांच पारी में 374 रन बनाए थे।

मैथ्यू बीट्जके ने वनडे करियर की शुरुआत न्यूजीलैंड के खिलाफ 150 रन की शतकीय पारी के साथ की। इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ 83, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 57 और 88 रन की पारी खेली। बीट्जके ने इंग्लैंड के खिलाफ अपने जादुई प्रदर्शन को बरकरार रखा और लॉर्ड्स में 85 रन बनाए। बीट्जके पांच वनडे में एक शतक और चार अर्धशतक जड़ चुके हैं।

गौर है कि दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के बीच तीन मैच की वनडे सीरीज का तीसरा मुकाबला अभी शेष है। अगर बीट्जके अपने वनडे करियर के छठे मैच में 37 रन बना लेते हैं तो वो वनडे इतिहास में सबसे तेज गति से 500 रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन जाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया ने महिला विश्व कप के लिए टीम का ऐलान किया, 10 प्लेयर्स पहले भी खेल चुकी हैं डब्ल्यूसी

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज एलिसा हीली की अगुवाई में महिला वनडे विश्व कप के लिए शुक्रवार को अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित की जिसमें बाएं हाथ की स्पिनर सोफी मोलिनक्स ने चोट से उबरने के बाद वापसी की। सात बार का चैंपियन ऑस्ट्रेलिया मौजूदा चैंपियन भी है और आगामी प्रतियोगिता में भी वह अपना दबदबा कायम रखना चाहेगा, जो 30 सितंबर से दो नवंबर तक भारत और श्रीलंका में आयोजित की जाएगी। विक्टोरिया की स्पिनर मोलिनक्स घुटने की चोट के कारण जनवरी से ही बाहर थी। वह हालांकि 14 से 20 सितंबर तक भारत के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में नहीं खेल पाएगी। डार्सी ब्राउन (क्वाड) और जॉर्जिया वेयरहैम (ग्रोइन) भी अपनी हाल की चोटों से उबरकर टीम में वापसी करने में सफल रही।

ऑस्ट्रेलिया की टीम में 10 ऐसी खिलाड़ी भी शामिल हैं जो 2022 में खेले गए पिछले टूर्नामेंट का भी हिस्सा थी। इस टीम में एलिस पेरी, बेथ मूनी, एनाबेल सदरलैंड, ताहलिया मैकग्रा और एशले गार्डनर जैसी अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। आस्ट्रेलिया अपना अभियान एक अक्टूबर को इंदौर में न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू करेगा।

वनडे विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीमः

एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, ऐश गार्डनर, किम गार्थ, ग्रेस हैरिस, अलाना किंग, फोएबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, सोफी मोलिनक्स, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

रॉस टेलर ने संन्यास से वापसी की

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान रॉस टेलर ने संन्यास से वापसी कर ली है। हालांकि, अब वे न्यूजीलैंड के बजाय समोआ की तरफ से खेलेंगे। 41 साल के मिडिल ऑर्डर बैटर टेलर आगामी ईस्ट एशिया-पैसिफिक टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के क्वालिफायर टूर्नामेंट में समोआ की ओर से खेलेंगे। न्यूजीलैंड के इस बल्लेबाज की मां समोआ से हैं, जिसके कारण उन्हें वहां का पासपोर्ट मिला है।

टेलर ने साल 2022 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था। वे अप्रैल 2022 में न्यूजीलैंड के लिए आखिरी बार खेले थे। ऐसे में उनका तीन साल का कूलिंग ऑफ पीरियड भी पूरा हो गया है और अब वे समोआ के लिए एलिजिबल हैं। मैं क्रिकेट में नीली जर्सी पहनकर समोआ का प्रतिनिधित्व करने जा रहा हूं.

माइक टायसन और फ्लॉयड मेवेदर की होगी भिड़ंत

2026 में आमने-सामने होंगे दो महान मुक्केबाज

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फैंस के लिए यह ऐतिहासिक पल होगा, जब ये दो दिग्गज एक रिंग में साथ आएंगे। 59 वर्षीय टायसन को मुक्केबाजी की दुनिया का सबसे खतरनाक हेवीवेट फाइटर माना जाता है। वहीं, 48 वर्षीय फ्लॉयड मेवेदर अब तक प्रोफेशनल बॉक्सिंग में अपराजित रहे हैं।

मुक्केबाजी की दुनिया के दो सबसे बड़े दिग्गज माइक टायसन और फ्लॉयड मेवेदर 2026 में एक प्रदर्शनी फाइट में आमने-सामने होंगे। यह जानकारी प्रमोटर सीएसआई स्पोर्ट्स ने गुरुवार को साझा की। हालांकि, इस मुकाबले की तारीख और स्थान का एलान नहीं हुआ है, लेकिन कंपनी ने बताया कि यह ऐतिहासिक लड़ाई स्प्रिंग 2026 में होगी। इसकी डील साइन हो चुकी है। फैंस के लिए यह ऐतिहासिक पल होगा, जब ये दो दिग्गज एक रिंग में साथ आएंगे।

टायसन के आंकड़े शानदार

59 वर्षीय टायसन को मुक्केबाजी की दुनिया का सबसे खतरनाक हेवीवेट फाइटर माना जाता है। अपने करियर में उन्होंने 50-7 का रिकॉर्ड बनाया, जिसमें से 44 मुकाबले नॉकआउट से जीते। हालांकि, उनका आखिरी मैच नवंबर 2024 में यूट्यूबर से बॉक्सर बने जेक पॉल के खिलाफ था, जिसमें टायसन को हार का सामना करना पड़ा। उस मुकाबले में 70,000 दर्शकों ने लाइव मैच देखा और दुनिया भर में लाखों लोगों ने टीवी पर इसे फॉलो किया।

मेवेदर अब तक नहीं हारे

48 वर्षीय फ्लॉयड मेवेदर अब तक प्रोफेशनल बॉक्सिंग में अपराजित रहे हैं। उन्होंने 2017 में रिटायरमेंट लिया, लेकिन तब तक उनका रिकॉर्ड 50-0 रहा और उन्होंने पांच अलग-अलग वेट कैटेगरी में खिताब जीते। रिटायरमेंट के बाद भी मेवेदर ने कई एग्जीबिशन मुकाबले खेले, जिनमें अगस्त 2024 में जॉन गॉटी पर मेक्सिको में जीत शामिल है।

टायसन का बयान

इस मुकाबले पर प्रतिक्रिया देते हुए टायसन ने कहा, जब सीएसआई ने मुझे फ्लॉयड मेवेदर से लड़ने का प्रस्ताव दिया, तो मैंने सोचा कि यह संभव ही नहीं है। लेकिन जब फ्लॉयड ने हां कहा, तब यह तय हो गया।

यह फाइट ऐसी है जिसकी कल्पना न मैंने की थी और न दुनिया ने। बॉक्सिंग अब अनप्रिडिक्टेबल दौर में प्रवेश कर चुकी है और यह मुकाबला उसी का सबूत है।

सोशल मीडिया पर छाया पोस्टर

टायसन और मेवेदर ने अपने-अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर भी इस फाइट का प्रमोट किया है। इस फाइट के हाइपअप के लिए मेवेदंर ने एक पंचलाइन भी दिया है।

ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पिचाई, नडेला सहित प्रौद्योगिकी जगत के दिग्गजों की मेजबानी की

» वॉशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला और गूगल के प्रमुख सुंदर पिचाई सहित प्रौद्योगिकी क्षेत्र के दिग्गजों के शक्तिशाली समूह की मेजबानी की। ट्रंप ने इस मौके पर कहा कि यह उच्च आईक्यू वाला समूह व्यवसाय में क्रांति का नेतृत्व कर रहा है। ट्रंप ने कहा, सबसे प्रतिभाशाली लोग इस मेज के चारों ओर एकत्रित हुए हैं। यह निश्चित रूप से एक उच्च आईक्यू (इंटेलिजेंस कोशेंट) वाला समूह है और मुझे इन पर बहुत गर्व है। प्रौद्योगिकी जगत के दिग्गजों का यह समूह अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस में एक लंबी मेज के इर्द-गिर्द बैठा था। मेज के एक ओर प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप, माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक और अरबपति परोपकारी बिल गेट्स और दूसरी तरफ मेटा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मार्क जुकरबर्ग बैठे थे।

पिचाई और एप्पल के सीईओ टिम कुक, ट्रंप के सामने वाली मेज पर बैठे थे जबकि नडेला मेज के एक छोर पर बैठे थे। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा, इन लोगों के समूह के साथ यहां मौजूद होना मेरे लिए सम्मान की बात है। वे व्यापार, प्रतिभा और हर उस काम में क्रांति का नेतृत्व कर रहे हैं जिसकी आप कल्पना कर सकते हैं। इसके बाद ट्रंप ने मेज पर बैठे दिग्गजों को अपने विचार साझा करने के लिए आमंत्रित किया। अपनी संक्षिप्त टिप्पणी में पिचाई ने कहा, कृत्रिम मेधा (एआई) का दौर उन सबसे परिवर्तनकारी क्षणों में से एक है जो हममें से किसी ने भी अपने जीवनकाल में कभी देखा है या देखेंगे। इसलिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि अमेरिका इसमें सबसे आगे रहे। पिचाई ने ट्रंप से कहा, हम साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं। आपके नेतृत्व के लिए धन्यवाद। ट्रंप ने पिचाई से कहा, आप बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। वाकई अविश्वसनीय। नडेला की ओर मुड़ते हुए ट्रंप ने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट प्रमुख ने बहुत अच्छा काम किया है। ट्रंप ने कहा कि उनके पास माइक्रोसॉफ्ट के शेयर हैं जिनकी कीमत 28 अमेरिकी डॉलर से बढ़कर अब 500 अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गई है। नडेला ने कहा कि यह सिर्फ नवाचार ही नहीं है जो उद्योग को विशिष्ट बनाता है, बल्कि यह बाजार पहुंच है जिसे आपने (ट्रंप ने) स्पष्ट रूप से दुनिया भर में हमारे लिए बढ़ावा दिया है और साथ ही दुनिया का अमेरिकी प्रौद्योगिकी पर भरोसा भी है। इसके बाद गेट्स ने टिप्पणी की कि वह अपने करियर के दूसरे चरण में हैं, तथा सत्या के अच्छे काम से प्राप्त होने वाली सारी शानदार धनराशि को वे दान कर रहे हैं। इस पर ट्रंप हंस पड़े। ट्रंप ने पिचाई से पूछा कि गूगल अमेरिका में कितना निवेश कर रहा है। इस पर भारत में जन्मे सीईओ ने जवाब दिया कि कंपनी अगले दो वर्ष में अमेरिका में 250 अरब डॉलर का निवेश करेगी। राष्ट्रपति ने पिचाई से कहा, यह बहुत अच्छा है। हमें आप पर गर्व है। इससे कई नौकरियां सृजित होंगी। इसके बाद राष्ट्रपति ने नडेला से देश में माइक्रोसॉफ्ट की निवेश योजनाओं के बारे में पूछा। इस पर हैदराबाद में जन्मे नडेला ने कहा कि कंपनी अमेरिका में हर साल लगभग 75-80 अरब डॉलर का निवेश कर रही है। ट्रंप ने नडेला से कहा, बहुत बढ़िया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। इसके बाद मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए ट्रंप ने अपना दावा दोहराया कि उन्होंने सात युद्धों को समाप्त कर दिया है लेकिन उन्होंने इन संघर्षों का नाम नहीं लिया। उन्होंने यह भी कहा कि वह निकट भविष्य में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात करेंगे। ट्रंप ने कहा, हमारी बातचीत बहुत अच्छी तरह जारी है। व्हाइट हाउस में रात्रिभोज में गूगल के संस्थापक सर्गेई ब्रिन, ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन और ओरेकल के सीईओ सफ्रा कैट्ज भी शामिल हुए। इससे पहले, प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने कृत्रिम मेधा शिक्षा पर व्हाइट हाउस कार्यबल की एक बैठक की मेजबानी की, जिसमें कार्यबल के सदस्य एवं अमेरिकी उद्योग के निजी क्षेत्र के प्रमुख शामिल हुए। इसमें पिचाई और आईबीएम के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी अरविंद कृष्णा भी शामिल हुए थे।

जल्द ही पुतिन से बात करूंगा : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रौद्योगिकी जगत के नेताओं के लिए आयोजित रात्रिभोज में एक सवाल पर कहा कि वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात करेंगे। दरअसल, ट्रंप से रात्रिभोज के दौरान एक पत्रकार ने पूछा था कि क्या उन्होंने बृहपतिवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से बात करने के बाद निकट भविष्य में अपने रूसी समकक्ष से भी बात करने की योजना बनाई है। इस पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, हां, मैं करूंगा। हमारी बहुत अच्छी बातचीत चल रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति के आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस में प्रौद्योगिकी जगत के दिग्गजों के साथ रात्रिभोज में ट्रंप एक लंबी मेज के बीचोंबीच प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप और मेटा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मार्क जुकरबर्ग के बीच बैठे थे। मेलानिया ट्रंप ने बृहस्पतिवार दोपहर को व्हाइट हाउस की नई कृत्रिम मेधा (एआई) शिक्षा कार्य बल की बैठक की अध्यक्षता की। पहले यह कार्यक्रम हाल में बने रोज गार्डन में आयोजित होना था, लेकिन बारिश के कारण इसे व्हाइट हाउस में आयोजित कराना पड़ा। ट्रंप ने प्रौद्योगिकी जगत के नेताओं से कहा कि वे अपनी कंपनियों के बारे में थोड़ी जानकारी दें और अमेरिका में अपने निवेशों पर बात करें। जुकरबर्ग ने अनुमान जताया है कि उनकी कंपनी 2028 तक लगभग 600 अरब अमेरिकी डॉलर निवेश करेगी।

यमन के समुद्र तटीय इलाकों में मानसून की बारिश हो सकती

यूएई के रेगिस्तान में बारिश आकर्षण तो पैदा करती है पर इसके खतरे भी बहुत हैं

» मसाफी, भाषा।

संयुक्त अरब अमीरात के उत्तर में स्थित एक पहाड़ी गांव अक्सर रेगिस्तान की चिलचिलाती गर्मी से दो चार होता है। लेकिन पिछले हफ्ते अचानक बादलों ने आग उगलते सूरज को ढक लिया, तेज हवाएं चलने लगीं और फिर बारिश शुरू हो गई , जो यहां कम ही देखी जाती है। अमीरात के लोगों के लिए बारिश हमेशा ही एक हैरान करने वाली घटना रही है। सफेद पोशाक पहने स्थानीय लोगों के साथ ही विदेशी कामगारों की विशाल आबादी भी इस बारिश को देखने के लिए उमड़ पड़ती है जिनमें से कई भारतीय उपमहाद्वीप के उन घरों से आते हैं जो मानसून की बाढ़ के बीच पले-बढ़े हैं। लेकिन अरब प्रायद्वीप के सात अमीरात वाले इस राष्ट्र के लिए बारिश अपने साथ उम्मीद की किरण के साथ खतरा भी लेकर आती है। अकेले दुबई में अब लगभग 40 लाख लोग रहते हैं, जबकि 1980 में यह संख्या लगभग 2,55,000 थी और इस लिए यहां पानी आज भी बहुमूल्य संसाधन है।

इस बीच, वैश्विक तापमान वृद्धि के साथ मौसम के पैटर्न में भी बदलाव आया है। देश में पिछले वर्ष अब तक की सबसे भारी वर्षा दर्ज की गई, जिससे विश्वव्यापी यात्रा बाधित हुई और अब देश के नेता निर्माण के तरीके पर पुनर्विचार कर रहे हैं, जबकि निवासी घबराकर आसमान की ओर देख रहे हैं। दुबई में अनौपचारिक मौसम पूर्वानुमानकर्ता हॉवर्ड टाउनसेंड कहते हैं, यहां बारिश लगभग किसी आतिशबाज़ी की तरह है। जब बारिश होती है, तो यह एक वरदान, एक राहत की तरह होती है। तेजी से बढ़ता राष्ट्र अब भी प्यासा है। संयुक्त अरब अमीरात, जिसकी कुल जनसंख्या अनुमानतः एक करोड़ है, उत्तर

और पश्चिम में फारस की खाड़ी तथा पूर्व में ओमान की खाड़ी के किनारे स्थित है। हाजार की पहाड़ियां यूएई को पड़ोसी ओमान से अलग करती हैं। प्रायद्वीप की दक्षिणी सीमाओं पर, ओमान और यमन के समुद्र तटीय इलाकों में मानसून की बारिश हो सकती है। लेकिन प्रायद्वीप के विशाल रेगिस्तानी इलाके, जिसे खाली क्वार्टर के नाम से जाना जाता है, में मौसम का मिजाज ऐसा है कि बादल नहीं आते। इसका अभिप्राय है कि कुछ इलाकों में बारिश बहुत कम या बिल्कुल नहीं होती, कभी-कभी तो सालों तक। अमीरात के लिए, इसका मतलब है कि पीने के पानी की आपूर्ति के लिए लगभग 70 जल विलवणीकरण संयंत्रों पर भारी निर्भरता, साथ फसलों के लिए ड्रिप सिंचाई जो पुनर्चक्रित अपशिष्ट जल पर निर्भर हैं। हाल के वर्षों में बहते पानी को रोकने और संग्रहीत करने के लिए बांध भी बनाए गए हैं। इन तमाम प्रयासों के बावजूद विश्व संसाधन संस्थान के अनुसार, संयुक्त अरब अमीरात दुनिया भर में जल संकट के खतरे के मामले में सातवें स्थान पर है।

थाईलैंड के नए प्रधानमंत्री के बारे में मुख्य बातें

» बैंकॉक, भाषा।

थाईलैंड की संसद ने शुक्रवार को नए प्रधानमंत्री के रूप में अनुतिन चार्नविराकुल के नाम पर मुहर लगा दी। एक बुद्धिमान व व्यावहारिक राजनेता के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले चार्नविराकुल को देश के राजनीतिक गतिरोध को दूर करने वाले नेता के तौर पर भी जाना जाता है। उन्होंने थाईलैंड में भांग को अपराधमुक्त करने के एक सफल अभियान का नेतृत्व भी किया था जिसने उनकी लोकप्रियता में इजाफा किया। चार्नविराकुल (58) की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को उनके परिवार की संपत्ति और थाईलैंड के उत्तर-पूर्वी इसान क्षेत्र में एक मजबूत क्षेत्रीय शक्ति का समर्थन प्राप्त है। उत्तर-पूर्वी इसान क्षेत्र में चार्नविराकुल की भुमजैथाई पार्टी की विशाल ग्रामीण आबादी में गहरी पैठ है। चार्नविराकुल का मुख्य कौशल थाईलैंड के ध्रुवीकृत राजनीतिक परिदृश्य में अहम भूमिका निभाने की क्षमता है।

थाईलैंड, दो दशकों से पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा के समर्थकों और राजशाही-सैन्य प्रतिष्ठान के बीच विभाजित रहा है। चार्नविराकुल, 2004 से 2006 के तख्तापलट तक थाकसिन की सरकार में कार्यरत थे। चार्नविराकुल ने 2019 में भुमजैथाई पार्टी का नेतृत्व करते हुए थाकसिन के कट्टर दुश्मन और सेना के पूर्व कमांडर प्रयुथ चान-ओचा की सरकार में स्वास्थ्य मंत्री की भूमिका निभाई।

हालांकि 2023 में उन्होंने थाकसिन समर्थित फ्यू थाई पार्टी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार में उपप्रधानमंत्री और गृह मंत्री के पद संभाले। यह गठबंधन इस साल जून में उस समय टूट गया, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री और थाकसिन की बेटी पायतोंगटार्न शिनावात्रा ने कंबोडियाई सीनेट के अध्यक्ष हुन सेन के साथ फोन पर बातचीत के दौरान थाईलैंड-कंबोडिया सीमा पर विवादित क्षेत्र को लेकर बढ़ते तनाव के बारे में बेतरतीब से बात की, जिसके परिणामस्वरूप जुलाई में पांच दिनों तक सशस्त्र संघर्ष चला। चार्नविराकुल ने कैबिनेट पदों से इस्तीफा दे दिया और अपनी पार्टी को गठबंधन सरकार से अलग कर लिया, जिससे सरकार के पास केवल संसदीय बहुमत ही रह गया। कॉन्स्टीट्यूश्नल कोर्ट ने नैतिकता के उल्लंघन के लिए पायतोंगटार्न को पहले निलंबित और फिर बर्खास्त कर दिया।

लगता है हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है : ट्रंप

वाशिंगटन, (भाषा)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा, लगता है कि हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है। यह बात ऐसे समय में कही गई है जब अमेरिकी टैरिफ (शुल्क) को लेकर भारत और अमेरिका के संबंध पिछले दो दशक से भी ज्यादा समय में संभवतः सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं। सोशल मीडिया पर ट्रंप का यह पोस्ट ऐसे समय में आया है जब कुछ ही दिन पहले चीन के शहर तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच गर्मजोशी से हुई बातचीत ने विश्व का ध्यान आकर्षित किया। अमेरिका के राष्ट्रपति ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, लगता है हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है। साथ में उनका भविष्य दीर्घकालिक और समृद्ध हो ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को दोगुना करके 50 प्रतिशत कर दिए जाने के बाद नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच संबंधों में खटास आ गई है, जिसमें रूसी कच्चे तेल की खरीद को लेकर भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क भी शामिल है। अतिरिक्त शुल्क 27 अगस्त से लागू हो चुका है। भारत ने अमेरिकी कार्रवाई को अनुचित और अविवेकपूर्ण बताया है और ऐसा किए जाने को लेकर आश्चर्य जताया। हैरानी की बात है कि अमेरिका ने रूसी कच्चे तेल के सबसे बड़े आयातक चीन पर कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की है। पिछले कुछ दिनों में, व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो सहित ट्रंप प्रशासन के कई अधिकारियों ने भारत पर निशाना साधने के लिए आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया है। हालांकि, सोमवार को एससीओ शिखर सम्मेलन का मुख्य जोर अपने सदस्य देशों के बीच गहन सुरक्षा और आर्थिक संपूरकता सुनिश्चित करना था, लेकिन जिस बात ने अधिक ध्यान आकर्षित किया, वह मोदी, पुतिन और शी के बीच सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित हुआ सहज माहौल था। मोदी और पुतिन का एक वीडियो, जिसमें वे हाथ पकड़कर शी चिनफिंग की ओर बढ़ रहे हैं और फिर तीनों अच्छे दोस्तों की तरह एक-दूसरे के करीब आ रहे हैं, सोशल मीडिया पर वायरल हुआ।

न्यूज ब्रीफ

चीन के राष्ट्रपति शी और उत्तर कोरियाई नेता किम की बैठक, दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने पर चर्चा

» बीजिंग, भाषा।

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने यहां बैठक की और दोनों देशों के बीच आपसी समर्थन और सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। शी और किम अपने देशों के शीर्ष अधिकारियों के साथ बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपुल में मिले। इससे एक दिन पहले किम ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सहित अन्य विदेशी नेताओं के साथ चीनी सैन्य परेड समारोह में शिरकत की थी।

चीनी के सरकारी प्रसारक सीसीटीवी ने अपनी एक खबर में कहा कि शी ने चीन और उत्तर कोरिया के बीच पारंपरिक मित्रता पर ज़ोर दिया और संबंधों को मज़बूत करने और इन्हें आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। खबर में कहा गया कि शी ने किम से कहा, अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां चाहे कैसी भी हों, यह रुख नहीं बदलेगा। वहीं उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज़ एजेंसी ने शुक्रवार को कहा कि नेताओं ने उच्च-स्तरीय यात्राओं और संपर्कों को बढ़ाने के साथ-साथ रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने और अंतरराष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय मामलों में साझा हितों की रक्षा करने पर चर्चा की। शी चिनफिंग से मुलाकात के बाद किम बृहस्पतिवार शाम अपनी निजी ट्रेन से स्वदेश रवाना हो गए।

यूक्रेन संघर्ष के परोक्ष परिणाम ग्लोबल साउथ पर डाल रहे हैं असर : भारत ने संरा महासभा में कहा

» संयुक्त राष्ट्र, भाषा।

भारत ने यूक्रेन संघर्ष के परोक्ष प्रभावों खासतौर पर ईंधन की कीमतों पर चिंता व्यक्त की और कहा है कि ग्लोबल साउथ के देशों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। भारत ने साथ ही कहा कि कूटनीतिक प्रयासों के जरिए युद्ध को समाप्त किया जा सकता है और स्थाई शांति लाई जा सकती है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि, राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने बृहस्पतिवार को कहा, भारत यूक्रेन की स्थिति को लेकर चिंतित है। हमारा मानना है कि निर्दोष लोगों की जान जाना अस्वीकार्य है और युद्ध के मैदान में कोई समाधान नहीं निकलता।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में यूक्रेन के कब्जे वाले क्षेत्रों की स्थिति विषय पर आयोजित चर्चा में हरीश ने कहा कि भारत को इस बात की चिंता है कि

संघर्ष के परिणामस्वरूप ईंधन की कीमतें और अन्य चीजें पूरे विश्व को प्रभावित कर रहे हैं, विशेष रूप से ग्लोबल साउथ के देशों को, जिन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। हमारा मानना है कि उनकी आवाज सुनी जाए और उनकी वैध चिंताओं का समुचित समाधान किया जाए। ग्लोबल साउथ से तात्पर्य उन देशों से है जिन्हें अक्सर विकासशील, कम विकसित अथवा अविकसित के रूप में जाना जाता है और ये मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया और लातिन अमेरिका में स्थित हैं। भारत ने इस बात पर जोर दिया कि स्थाई शांति के लिए सभी हितधारकों की पूर्ण भागीदारी और प्रतिबद्धता महत्वपूर्ण है। हरीश ने कहा कि भारत ने पिछले महीने अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई शिखर बैठक का समर्थन किया और उसमें हुई प्रगति की सराहना की। हरीश ने कहा, हम यूक्रेन के राष्ट्रपति और यूरोपीय नेताओं के साथ बातचीत करने के अमेरिकी राष्ट्रपति के कूटनीतिक प्रयासों पर भी ध्यान देते हैं। उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि ये सभी कूटनीतिक प्रयास यूक्रेन में जारी संघर्ष को समाप्त कराने और स्थाई शांति की संभावनाओं के लिए अहम हैं। हरीश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मौजूदा स्थिति पर पुतिन, जेलेंस्की और यूरोपीय नेतृत्व के संपर्क में हैं। उ संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत के बयान से कुछ घंटे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने यूरोपीय संघ के शीर्ष नेताओं एंटोनियो कोस्टा और उर्सुला वॉन डेर लेएन से बातचीत की। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आपसी हितों के मुद्दों और यूक्रेन में संघर्ष को जल्द समाप्त कराने के प्रयासों पर विचार विमर्श किया। इससे पहले बृहस्पतिवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्रेई सिबिहा से बात की और द्विपक्षीय सहयोग के साथ-साथ यूक्रेन संघर्ष पर चर्चा की। जयशंकर ने कहा, भारत इस संघर्ष के शीघ्र अंत और स्थाई शांति का समर्थन करता है। वहीं सिबिहा ने कहा कि उन्होंने जयशंकर को युद्ध के वर्तमान हालात और न्यायसंगत शांति के लिए यूक्रेन के प्रयासों के बारे में जानकारी दी।

कांगो में इबोला का नया प्रकोप, 15 लोगों की मौत

» डकार, भाषा।

अफ्रीकी देश कांगो में इबोला के एक नए प्रकोप के कारण 15 लोगों की मौत होने का संदेह है। इस मध्य अफ्रीकी देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। कांगो में यह 16वीं बार है जब इबोला का कहर टूटा है। स्वास्थ्य मंत्री सैमुअल-रोजर काम्बा ने कहा कि अनुमानित 53.6 प्रतिशत मृत्यु दर स्थिति की गंभीरता को दर्शाती है। काम्बा ने कहा, अभी तक की अनंतिम रिपोर्ट में 28 संदिग्ध मामले और 15 लोगों की मौत की जानकारी मिली है, जिनमें बौलापे में 14 और म्वेका में एक व्यक्ति की मौत हुई है।

साथ ही चार स्वास्थ्यकर्मियों की भी मौत हुई है। संक्रमण की चपेट में आए सभी लोगों में बुखार, उल्टी, दस्त और भारी रक्तस्राव जैसे लक्षण दिखाई दिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा कि उसने रोग निगरानी, उपचार और संक्रमण की रोकथाम एवं नियंत्रण को मजबूत करने के लिए कांगो की त्वरित प्रतिक्रिया टीम के साथ अपने विशेषज्ञों को कसाई प्रांत भेजा है। इबोला वायरस बेहद संक्रामक होता है और यह उल्टी, खून या वीर्य जैसे शारीरिक तरल पदार्थों के ज़रिए भी फैल सकता है।

अटलांटिक महासागर के दोनों ओर समर्थन से पुर्तगाल के कॉर्क को ट्रंप के टैरिफ से मिली छूट

रियो फ्रियो। अमेरिका के वाइन निर्माताओं में इस बात को लेकर खुशी का माहौल है कि जिन कॉर्क का इस्तेमाल वे अपनी बोतलों को बंद करने के लिए करते हैं, वे टैरिफ के दायरे में नहीं आती। ओक वृक्ष की छाल से बनने वाली कॉर्क को अमेरिका और यूरोपीय संघ के बीच हुए व्यापार समझौते में अनुपलब्ध प्राकृतिक उत्पाद के रूप में चिह्नित किया गया है। इसलिए एक सितंबर से कॉर्क उन कुछ अन्य वस्तुओं में शामिल हो गई, जिन्हें अमेरिका के 15 प्रतिशत शुल्क से छूट प्राप्त है। जिन वस्तुओं को छूट मिली है, उनमें हवाई जहाज और जेनेरिक दवाइयां शामिल हैं। कॉर्क का टैरिफ मुक्त होना पुर्तगाल के लिए बेहद अहम था। पुर्तगाल, यूरोप का एक ऐसा देश है, जो पूरी दुनिया में कॉर्क का सबसे बड़ा उत्पादक है और इतना ही नहीं, यह वैश्विक उत्पादन का लगभग आधा हिस्सा उत्पन्न करता है। पुर्तगाली राजनयिकों ने कॉर्क पर छूट के लिए अटलांटिक के दोनों ओर पैरवी की थी। अमेरिका स्थित नेचुरल कॉर्क काउंसिल के कार्यकारी निदेशक पैट्रिक स्पेंसर जून में अमेरिकी व्यापार अधिकारियों को कॉर्क की उत्पत्ति के बारे में समझाने और टैरिफ में राहत की मांग करने के लिए वाशिंगटन गए थे। कैलिफोर्निया के वाइन उत्पादकों का प्रतिनिधित्व करने वाले वाइन इंस्टीट्यूट ने भी इस विशेष छूट के लिए जोर दिया था। स्पेंसर ने कहा कि अगस्त में अमेरिकी-यूरोपीय संघ समझौते के सारांश में कॉर्क का जिक्र देखकर वह बहुत खुश हुए।

पाककला किताब वेजिटेबल्स में 120 व्यंजनों को एक साथ एक ही पुस्तक में प्रस्तुत किया

लंदन में भारतीय मूल की रेस्तरां मालिक ने भारतीय सब्जियों पर किताब लिखी

» लंदन, भाषा।

लंदन में इस सप्ताह एक नई पाककला किताब प्रकाशित हुई है, जो तरह-तरह की भारतीय सब्जियों और उनके सेहतमंद गुणों को प्रस्तुत करती है। इसमें उपयोग किए जाने वाले मसाले और पकाने के तरीके भी बताए गए हैं। लंदन में रेस्तरां संचालित करने वाली कैमेलिया पंजाबी लेखिका भी हैं, जिनका जन्म मुंबई में हुआ था। उन्होंने अपनी पाककला किताब वेजिटेबल्सः द इंडियन वे में भारत के सभी भागों से सब्जियों और दालों की एक विस्तृत श्रृंखला को शामिल करते हुए 120 व्यंजनों को एक साथ एक ही पुस्तक में प्रस्तुत किया है।

वर्षों के शोध के बाद, पंजाबी ने पारंपरिक खाना पकाने की तकनीकों में पोषण संबंधी नोट्स, आयुर्वेदिक प्रभाव और अंतर्दृष्टि को शामिल किया है जो प्राकृतिक रूप से पाचन और अवशोषण को बढ़ाता है।पंजाबी ने यहां पिकाडिली सर्कस में अपने परिवार के रेस्तरां मसाला जोन में एक

प्रकाशन कार्यक्रम के दौरान कहा था,मुझे लगा कि अब समय आ गया है कि सब्जियों को अलग नजरिए से देखा जाए, बजाय इसके कि उन्हें रेस्तरां मेनू के अंत में, अक्सर साइड डिश के रूप में रखा जाए। उन्होंने कहा, मैंने सोचा, क्यों न सब्जियों को एक-एक करके वर्गीकृत किया जाए, उनकी पूरी कहानी बताई जाए और उनकी रेसिपी इस आधार पर दी जाए कि वे कहां उगती हैं जमीन के नीचे, जमीन पर, झाड़ी पर, पानी के नीचे या पेड़ पर। अपनी बेस्टसेलिंग पाककला पुस्तक 50 ग्रेट करीज़ ऑफ इंडिया के प्रकाशन (30 साल पहले) के समय से ही इस नई किताब का विचार उनके मन में था लेकिन इसे अध्यायों में ढालने का मौका आखिरकार कोविड महामारी के दौरान लॉकडाउन में मिला। कैमेलिया पंजाबी इसका श्रेय अपनी बहन और रेस्तरां व्यवसाय में साथी नमिता तथा बहनोई रंजीत माथरानी को देती हैं, जिन्होंने लंदन में लॉकडाउन के दौरान उन्हें कागज पर कलम चलाने के लिए प्रेरित किया, भले ही उनके शोध के ज्यादातर नोट्स मुंबई में ही रह गए थे। किताब की टैगलाइन साधारण से खास तक की रेसिपी का संपूर्ण संग्रह इस बात को दर्शाती है कि कैमेलिया पंजाबी ने हर जानी-पहचानी और कम जानी जाने वाली रेसिपी की गहराई से पड़ताल की है, जैसे करेला और रक्त शर्करा नियंत्रण का संबंध या दाल और चावल का ऐसा मेल जो शरीर को जरूरी अमीनो एसिड्स के साथ भोजन को संपूर्ण और पौष्टिक बनाता है। उन्होंने याद करते हुए कहा, पश्चिमी सब्जियों पर तो बहुत सारी किताबें और जानकारी उपलब्ध हैं। इसलिए मैंने भारत के राष्ट्रीय पोषण संस्थान और दिल्ली के पूसा परिसर में स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान का रुख किया, जिसके बारे में मुझे पहले ज्यादा जानकारी नहीं थी। साथ ही मैंने हर्बल विशेषज्ञों और आयुर्वेदाचार्यों से भी सलाह ली। उन्हें मेरे ढेर सारे सवाल शायद कुछ ज्यादा पसंद नहीं आए लेकिन इसने मेरे अनुसंधान के सफर को बेहद दिलचस्प बना दिया। जोनाथन ग्रेगसन की फोटोग्राफी के साथ ये व्यंजन विधियां सब्जियों से संबंधित स्वादिष्ट व्यंजनों का मिश्रण प्रस्तुत करती हैं। कैमेलिया पंजाबी ने अपने लंबे आतिथ्य क्षेत्र के करियर में ताज होटल समूह के साथ भी काम किया है, साथ ही वह हमेशा सब्जियों से बने व्यंजनों को बढ़ावा देती रही हैं।

हिंदू कुश देशों में कुल ऊर्जा आपूर्ति में स्वच्छ ऊर्जा का योगदान महज छह प्रतिशत : रिपोर्ट

» काठमांडू, भाषा।

एक नए अध्ययन में यह सामने आया है कि अपार नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता होने के बावजूद हिंदू कुश हिमालय के देशों में कुल प्राथमिक ऊर्जा आपूर्ति में स्वच्छ ऊर्जा का योगदान केवल छह प्रतिशत है और जलविद्युत का बहुत कम दोहन हो रहा है। बैंकॉक में एशिया-प्रशांत स्वच्छ ऊर्जा सप्ताह के दौरान आठ देशों की क्षेत्रीय संस्था इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (आईसीआईएमओडी) ने शुक्रवार को एक नई मूल्यांकन रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट में कहा गया है कि अफगानिस्तान, भूटान, बांग्लादेश, चीन, भारत, म्यांमा, नेपाल, पाकिस्तान में कुल 882 गीगावाट की जल विद्युत क्षमता है, जिसमें से अधिकांश क्षमता (635 गीगावाट) हिंदू कुश हिमालय क्षेत्र की सीमा पार नदियों के जल से है। रिपोर्ट में कहा गया है, इस क्षमता का केवल 49 प्रतिशत ही अभी तक उपयोग में लाया जा सका है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि हिंदू कुश हिमालय क्षेत्र में गैर जलविद्युत स्वच्छ ऊर्जा क्षमता (सौर और पवन) तीन टेरावॉट है। रिपोर्ट के अनुसार, भूटान और नेपाल जहां अपनी 100 प्रतिशत बिजली नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से उत्पन्न करते हैं, वहीं अन्य हिंदू कुश हिमालई देशों में बिजली उत्पादन में भारी मात्रा में जीवाश्म ईंधनों का उपयोग होता है। रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश में यह आंकड़ा 98 प्रतिशत, भारत में 77 प्रतिशत, पाकिस्तान में 76 प्रतिशत, चीन में 67 प्रतिशत और म्यांमा में 51 प्रतिशत है। अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि जलवायु परिवर्तन ऊर्जा क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है, विशेष रूप से जल विद्युत उत्पादन को।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,